



भारत का वार्ता The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग III—लेण्ड 4
PART III—Section 4

प्रांगकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 38]

नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 10, 1991/बाद्र 19, 1913

No. 38] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 10, 1991/BHADRA 19, 1913

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

दि इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेकेटरीज आफ इंडिया
(कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 के अन्तर्गत गठित)

नई दिल्ली, 10 सितम्बर, 1991

फाइल सं 104/19/एकाएक्टस्, 31 मार्च, 1991 को समाप्त वर्ष
की दि इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी मेकेटरीज आह इंडिया को परिवद
की ग्यारहवी वार्षिक रिपोर्ट।

1. प्रस्तावना :

कम्पनी सचिव अधिनियम, 1980 की धारा 18(5) के अन-
सरण में दि इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेकेटरीज आफ इंडिया को
परिवद की 31 मार्च, 1991 को समाप्त वर्ष की ग्यारहवी वार्षिक
रिपोर्ट और इस अवधि के लेखों के लेखापरीक्षित विवरण तथा उन
पर इंस्टीट्यूट के कामकाज की लेखा परीक्षण रिपोर्ट सहवं प्रकाशित
करती है। उक्त वर्ष की समाप्ति से रिपोर्ट की तारीख तक हुई इंस्टी-
ट्यूट को महत्वपूर्ण गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

2. नई घटनाएँ :

2.1 पिछले वर्ष मणिपुर श्रीदेविक विकास निगम लि. और असम
श्रीदेविक विकास निगम लि. ने अपनी सभी सहायक कम्पनियों में

सचिवीय लेखापरीक्षा आरम्भ करने का निर्णय लिया था। प्रत्येक राज्य
श्रीदेविक विकास निगम लि. ने गोजगार या प्रेक्षित्स के लिए कम्पनी सचिवों
की सेवाओं का उत्तरोग करने के लिए अपनी सहायक कम्पनियों को
सिफारिश की है। महाराष्ट्र राज्य वित्त निगम ने अपनी उन सहायक
कम्पनियों में जिनकी प्रदत्त पूँजी 25 लाख रुपए से कम है सचिवीय
लेखापरीक्षा कराने का सुझाव दिया है। हाल ही में, गुजरात श्रीदेविक
निवेश निगम लि. ने भी अपनी सहायक कम्पनियों में सचिवीय लेखापरीक्षा
का अनुमोदन कर दिया है। इस बारे में इसी प्रकार ने श्रीमान्वेदन
हरियाणा राज्य वित्त निगम लि., राजस्थान राज्य श्रीदेविक विकास और
निवेश निगम लि., आंध्र प्रदेश राज्य श्रीदेविक विकास निगम लि..
तमिलनाडु श्रीदेविक विकास निगम लि., पांडितेरी श्रीदेविक
विकास तथा निवेश निगम लि., तमिलनाडु राज्य उद्योग संबंधन निगम
लि. और अन्य कई श्रीदेविक विकास और निवेश संघों को भी भेजे
गए हैं।

2.2 छोटी कम्पनियों में व्यावसायिक अनुशासन लाने और साथ-
ही इस बात को ध्यान में रखने हुए कि ये कम्पनियां कानून की ग्रन-
भिक्षा या व्यावसायिक विशेषज्ञता अधिवा समर्पण के कारण कम्पनी
अधिनियम के उपबन्धों के अनुजाने में ही अनुपालन न करने के परिणामों
से बची रहे, इंस्टीट्यूट ने अपने प्रयास जारी रखे और कम्पनी कार्य-

विभाग को एक दिनुा नोट भेजा है, जिसमें मुत्ताव दिगा गया है कि कम्पनी प्रेसीडेंस 1953 में रंगोली करके छोटी कम्पनियों में पूर्ण-कालिक प्रेक्षिमरन समिति द्वारा समितीय मनुष्यानन्द स्पीड की शुरुआत की जाए। इन प्रकार समितों प्रमुखता रिपोर्ट जा जूनप्रात होने से कम्पनी भवित्वों के नियंत्रण करने का एक अवधारणा थे तथा आपने होने से मनुष्यान्द स्पीडों द्वारा कार्पोरेट प्रश्न के व्यावधारण के बारे में परो सुनावनों पर विचार करने की इच्छा से प्रोफेशनल डोकर हरहो कार्पोरेट प्रश्न में व्यावधारण क्षमियों की अभियोगों को प्रतिक्रिया प्रश्न करने के बारे में एक अस्थायेवत विवाह दिया था। मरकार ने अवधारणा की दिया है कि ऐसी मध्ये विवरणियों, जो कम्पनियों के रजिस्टर के पास दर्शन करनी होती है, यदि प्रेक्षिमरन कम्पनी संघितों द्वारा मही प्रमाणित कर दी गई हो तो उन्हें यथा धीर्घ, लगभग 10 दिन के अन्दर, रिपोर्ट में लिया जाए।

2.3 इस वर्ष की रिपोर्ट के दौरान श्रोतांका, मारीशस, भूनाइटेड किंबड़म, मिनाप्राय और अन्य वेशों को पक्का भेजे गए हैं कि वे अपने कानूनों के अधीन कम्पनी संघितों को नियुक्ति के लिए आई सी एस आई की सदस्यत को मार्गदर्शन प्रश्न करें।

2.4 यह बड़े मंडोर की बाबी है कि भारतीय शोधोगिक विभाग वैद्य और शोधोगिक तथा वित्तीय पुनर्निर्माण के बोर्ड ने इंस्टीट्यूट के इस अनुरोध पर विचार करने के लिए अपनी सदस्यत प्रश्न कर दी है कि उनके द्वारा सहायता प्राप्त कम्पनियों के बोर्ड में इंस्टीट्यूट के वरिष्ठ सदस्यों को नामजब किया जाए।

3. परिषद :

3.1 अहंकार और उदाहरण

1 जनवरी 1991 को परिषद फो बैठक में श्री डॉ. सी. जैन ने अध्यक्ष का पद छोड़ दिया। 1 जनवरी 1991 से एक वर्ष के सिए श्री ए.जे. प्र. चौधुरी को अध्यक्ष और श्री डॉ.के. प्रतालाल रात को उदाहरण लुना गया। इंस्टीट्यूट के अधरन के लूप में श्री डॉ.सी. जैन द्वारा की गई मनुष्यान्द सेवाओं के लिए परिषद ने उनकी सराहना की।

3.2 संरचना

केन्द्रीय सरकार ने परिषद में सरकारी नामितों के रूप में श्री वी.के. मजोहरा के स्थान पर कम्पनी कार्य विभाग में संयुक्त संचित सुधा पिलई को 4 जून 1991 से नियुक्त किया है। परिषद के अन्य सभी सदस्य इस रिपोर्ट को नामेक तक अपने पक्के पर कार्य करने रहे हैं। परिषद में सरकारी नामितों के लूप में श्री.वी.के. मजोहरा द्वारा की गई मनुष्यान्द सेवाओं के लिए परिषद उनकी सराहना करती है।

3.3 परिषद की बैठकें

परिषद ने इस वर्ष में छँ बैठकें रखीं।

3.4 परिषद की समितियां आदि

परिषद ने तीन स्वायों और पांच अन्य समितियां गठित कीं। इनके अनावा परिषद ने अपनी सहायता के लिए विभिन्न विशेषज्ञों और समाजान्द बोर्ड गठित किया। इनको संरचना रिपोर्ट के परिषिष्ट 'क' में दी गई है।

4. क्षेत्रीय परिषदें और शाखाएँ :

4.1 क्षेत्रीय परिषदें

परिषद द्वारा अपने कार्यों में सहायता के लिए गठित वार क्षेत्रीय परिषदों में इस वर्ष मनुष्यान्द रूप से काम चलना रहा। इन परिषदों ने सम्मेलन, सेमिनार और बैठकें आयोजित की, विधायियों के लिए मोर्चिक विभाग और संविधान साठूर परामर्श, तिमित लूप से समावार

बुरेटिनों के प्रकाशन तथा अपने अधिकार थेव में भाने वाली शाखाओं की सहायता प्रश्न करने जैसे सेवाओं को सम्पन्न किया। क्षेत्रीय परिषदें और शाखाओं की गतिविधियों इनके 'न्यूनत्वरों' ग्रीट लार्ड संकेती में नियमित रूप से प्रकाशित होती रही है। 31 मार्च 1991 को प्रत्येक लूप में अवगत-प्रश्न लेत्रों परिषदों की आरक्षण नियंत्रित और विधायियों को मंष्टा की स्थिति इस रिपोर्ट के परिषिष्ट 'ब' में दी गई है।

4.2 शाखाएँ:

वार क्षेत्रीय परिषदों के क्षेत्राधिकार के अधीन गिल 34 शाखाओं ने विधायियों की विधा और प्रणित्रण तथा सदस्यों के व्यावधारण सम्बन्धी स्थानीय गतिविधियों प्राप्तीत की।

4.3 सर्वेत्रेष्ठ शाखा पुरस्कारों का वितरण

11. अप्रैल 1991 को नई दिल्ली में प्रश्नोक्त होटल में 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन के प्रश्नसर पर शोधोगिक विभाग और कम्पनी कार्य विभाग के सचिव श्री सुरेश माधुर ने 1989-90 के लिए निम्नलिखित सर्वेत्रेष्ठ शाखा पुरस्कार वितरित किए :-

(1) सर्वेत्रेष्ठ राष्ट्रीय शाखा पुरस्कार	जयपुर (उत्तर)
(2) सर्वेत्रेष्ठ क्षेत्रीय शाखा पुरस्कार	गुवाहाटी
(क) पूर्णी लेव	गुवाहाटी
(ख) उत्तरी लेव	जयपुर
(ग) दक्षिणी लेव	तिसवनमतपुरम
(घ) परिवर्मी लेव	पुणे

5. संचिवालय :

विधायियों और सदस्यों को येहतर सेवा प्रदान करने के लिए संचिवालय की कार्यक्रमपत्रा और प्रभावकारिता को बनाने की विधि से संगठन संरचना में फेरबदल किया गया। इंस्टीट्यूट के कार्यकलापों के कम्प्यूटरीकरण की विधा में भी शुरुआत की गई है।

6. सदस्य :

6.1 सदस्यता

इस वर्ष 640 विधियों को एसोसिएट सदस्य प्रीर 139 एसोसिएट सदस्यों को फैलो सदस्यों के लूप में प्रवेश विधा गया। 31 मार्च 1991 को इंस्टीट्यूट के रजिस्टर में 7823 सदस्य दर्ज थे, जिनमें 6095 एसोसिएट तथा 1728 फैलो सदस्य थे। 31 मार्च 1991 को विवेश में यहते वाले सदस्यों की संख्या 173 थी। समीक्षाधीन वर्ष में वार्षिक फौम को विद्यायी न करने, भूत्यु भव्यता व्यापक देने के कारण 129 सदस्यों (21 फैलो प्रीर 108 एसोसिएट सदस्य) के नाम रजिस्टर में से काट दिए गए।

6.2 सदस्यों में बृद्धि

सदस्यों में बृद्धि तथा प्रैविटस प्रमाणप्रधारी सदस्यों से संबंधित आकड़े इस रिपोर्ट की तालिका परिषिष्ट 'ग' में दिए गए हैं।

6.3 सदस्यों की सूची

नियम 161 के साथ पठनीय कम्पनी संचिव अधिनियम, 1982 (विनियम) की द्वारा 19(3) के अनुसरण में 1 अप्रैल 1991 को सदस्यों की एक पूरी सूची प्रकाशित कर दी गई है जो सदस्यों को उनके अनुरोध पर उपलब्ध भी जाएगी।

6.4 प्रैविटस प्रमाणप्रधार

इस वर्ष 135 सदस्यों को प्रैविटस के लिए प्रमाणप्रधार जारी किए गए। वर्ष के अन्त में 1188 सदस्य । शेष संप्रसारण । थे,

जबकि 31 मार्च 1990 को यह संख्या 1225 थी। सदस्यों की संख्या में ६८ घोड़ी भी कभी आने का मुद्दा कारण विनियम 168 के प्रधान ऐसे सदस्यों द्वारा प्रमाणपत्र नवीकरण न करना है, जो अन्य किसी कार्य/व्यवसाय में लाए हुए हैं। 216 सदस्यों के प्रमाणपत्र वापिस फॉस म देने, मृत्यु, प्रमाणपत्र वापस कर देने या अन्य कारणों से अधोल्हो जाने के कारण इह कर दिए गए।

परिषद् इस बात पर काफी समय से विचार कर रही थी कि इस व्यवसाय को एक स्वतंत्र पहचान और प्रतिष्ठा प्रदान की जाए और पूर्णकालिक प्रेक्षिटसरत कम्पनी मनिय की संकल्पना पर बन दिया जाए, क्योंकि अब इस संकल्पना को कानूनों माध्यमा तक प्राप्त हो गई है। यह आवश्यकता व्यवसाय की वर्तमान प्रतिष्ठा के कारण तथा लगातार इस व्यवसाय की जो माध्यम प्राप्त होती जा रही है, उसके साथ ही माध्यवसाय के वैकेन्ड थाने पक्ष के विकास के कारण पैदा हुई। यह आवश्यकता इनपिए भी पड़ो, क्योंकि मनियों ने बायोरोधा को अधिकारिक स्वोकार किया जा रहा है, प्रोट भद्रपूत किया जा रहा है कि यदि प्रेक्षिटसरत कम्पनी मनियों को स्वतंत्र प्रतिष्ठा बनाई जा सके तो व्यवसाय को समृद्धि रूप से विनियमित किया जा सकता है। परिषद् ने तथा किया है कि 1 जून 1991 से उन सदस्यों को प्रेक्षिटा प्रमाणपत्र जारी न किए जाएं जो नोकरी कर रहे हों। नोकरी कर रहे जिन सदस्यों को पहले ही प्रेक्षिटम् प्रमाणपत्र जारी किए जा चुके हैं, उनका नवोकरण 31 मार्च 1992 के बाद नहीं किया जाएगा, यदि ये सदस्य नौकरा में बने रहते हैं।

7. व्यावसायिक विकास और अन्वरत शिक्षा कार्यक्रम :

7.1 समीक्षाधीन वर्ष के दौरान इस्टीट्यूट ने अपने सदस्यों के व्यावसायिक विकास के लिए प्रयास जारी रखे। छ: कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनका अंतरा इस रिपोर्ट के परिषिष्ट "घ" में दिया गया है। इस्टीट्यूट ने पी. एच. डी. चैम्बर आफ कार्मस एंड इंडस्ट्री द्वारा एस एस आर्ट सेक्टर के भारी उद्यमियों के लिए आयोजित छ: प्रयोगशाला कार्यक्रमों के साथ भी अपने को सम्बद्ध किया।

7.2 कम्पनी मनिय का रेखांचित्र प्रस्तुत करने के लिए 30 मिनट की एक बीडियो फिल्म तैयार की जा रही है जिसमें इस व्यवसाय की भूमिका, संगति और उपयोगिता को प्रमुख रूप से वर्णिया गया है ताकि लघु उद्यमियों सहित सभी भावी नियोक्ता/उपयोक्ता संगठन इससे लाभ उठा सकें। अनुमान है कि यह बीडियो फिल्म एक लाख रुपयों की लागत से तैयार होती, इसे मोदी रबड़ लि. और मोदी जेटेक्स लि. ने प्रयोजित किया है।

8. प्रकाशन

8.1 चार्टर्ड सेक्टरी

इस्टीट्यूट की प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका 'चार्टर्ड सेक्टरी' को इससे प्रतिस्पृष्ट और गुणवत्ता के लिए, लगातार प्रयास प्राप्त होती रही है। और इसलिए भी कि इसमें सरकारी अधिकूपनाएं, कानूनी कैसलों और लेखों सहित आवश्यक सूचना शीघ्रताप्रद भी जाती रही। मई 1990 में पहले की तरह केन्यी बजट पर एक विशेषांक निकाला गया। चार्टर्ड सेक्टरी के पाठकों की संख्या 50,000 है और यह सदस्यों द्वारा कम्पनी एक्सीक्यूटिवों के बीच संप्रेषण का प्रमाणालो माध्यम है; यह पत्रिका उनके व्यावसायिक ज्ञान को अद्यतन करने में सहायक होती है। पहले की तरह इस वर्ष 11 अप्रैल 1991 को आयोजित 19वें राष्ट्रीय कम्पनी मनिय सचिव सम्मेलन के उद्घाटन अधिकारण में आयोगिक विकास तथा कम्पनी कार्य विभाग के सचिव श्री मुरेश माधुर ने चार्टर्ड सेक्टरी (1990) की 20 जिलों में प्रकाशित लेखों में से विधि, प्रबन्ध, और लेखा पदार्थ विधाओं में पाए गए सर्वोत्तम लेखों के लेखकों को नक्काश पुरस्कार दिए।

8.2 मार्गदर्शी नोट्स

इस व्यवसाय के प्रेक्षिटसरत के विकास के कारण व्यावसायिक अवधारण और नैनिकता के स्तर को सर्वांच बनाए रखने को महत्वा और भी बढ़ गई है। वस्तुतः प्रेक्षिटसरत कम्पनी मनिय इह व्यावसाय के द्वा हैं इसलिए उनके व्यावसायिक उद्धरणविधियों के कुछ निश्चिह्न के लिए निम्नलिखित मार्गदर्शी नोट्स को प्रकाशन के लिए अनियम रूप दिया गया है:-

- (क) सचिवीय लेखा परोक्षा;
- (ख) प्रमारों से संबंधित ज्ञानी का प्रमाणीकरण;
- (ग) कम्पनी रजिस्ट्रार के पास फार्डिन किए जाने वाले अन्य फार्मों का प्रमाणीकरण।

8.3 कम्पनी सचिवीय प्रेक्षिटा को हस्त पुस्तिका

बुले फलों वालों कम्पनी मेट्रेट्रीज ईण्ड्यूक का कार्य चल रहा है; इसमें सूत विधि और व्यावहारिक टिप्पणियां दानों का शामिल करने का इरादा है तथा यह कम्पनी लों के विभिन्न पहुंचों और उद्घाटा (विकास और विनियम) अधिनियम; पूंजी नियंत्रण (विषयवाच) अधिनियम, प्रतिसूति मनिया (विनियम) अधिनियम; विदेशी मुशा विनियम। अधिनियम; आवाकर अधिनियम और एम आर टी पी अधिनियम के सम्बन्धन प्रावधानों पर एक प्रामाणिक संर्वभूतपुस्तिका का काम करेगी।

8.4 निवेशात्मकों के लिए मार्गदर्शी माना

शेयरों के अंतरण के विवि और प्रक्रिया सम्बन्धी पहुंचों और मियाई जमाकार्ताओं के अधिकारों के बारे में साधारण निवेशकता की विधियाँ करने के उद्देश्य से इंस्टीट्यूट के अध्ययन, अनुसधान और प्रकाशन निवेशालय ने वो पुस्तिकाएं तैयार की और इस मनोराजीत वर्ष में दिसंगे स्ट्रक्टराइजेशन ने इसमें प्रकाशित किया:-

- (क) लॉ एंड प्रोसीजर फार डारफर आर शोर्ट रिटेल यात ए रिकोम्पाइज़ टाक्टिक एस्ट्रेचेज; और
- (ख) लॉ एंड प्रोसीजर फार डारफर रोरेमेंट आर कम्पनी किए ह डिपाजिट्स।

इस याता की तोमरी पुस्तिका "इमेडमेंट हिसीजन मेंिंग बाई ए ले इंस्ट्रटर" भी प्रकाशन के लिए तैयार है।

8.5 अन्य प्रकाशन

"वि रिसर्च स्टडीज आत एंजुर रिटेल प्राक कम्पनी" मुर्गावोत है।

"लेखापरीओं की योपागाए और नियेगक को रिसोर्ट में उत्तरे" तथा "बोई में सवित को स्ट्रापागा" जेमेनियां र८ अनुग्राम का काम किया जा रहा है।

9. विशेषज्ञ सलाहकार युप :-

कम्पनी नॉ प्रेक्षिट और सचिवीय प्रेक्षिट की अटिन समस्याओं पर सदस्यों को विशेष सलाह प्रदान करने के लिए भारत के भूर्जे मुख्य व्यावसायीश जन्मिट पी. एन. भावनों को अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ सलाहकार युप ने इस वर्ष आगामी कार्य करना आरम्भ कर दिया।

10. रोजगार के अवसर :

10.1 इस्टीट्यूट भूर्जे आफ कामर्म, भूरो आफ पेलिक एटर-प्राइवेज और अन्य संस्थाओं के माध्यम से अपने सदस्यों द्वारा निमाई जा रही महत्वपूर्ण भूमिका का प्रचार करने का अपना प्रयास जारी रख रही है। इस्टीट्यूट भैंकिं विभाग के साथ भी अपना प्रयास जारी रख रही है। हमारे कहने पर नियंत्रक और महारंगवारीशक ने अब अपने उन कर्नेवरियों को मनक राशि बैंकर प्रोत्साहन देने का निर्णय किया है जो कम्पनी नेशनल-शिप परीक्षा उत्तीर्ण कर लेते हैं। इस्टीट्यूट इसकी क्षेत्रीय परिषदें और

शाखाएं रोजगार सेवा योजना के अंतर्गत कम्पनियों को नौकरी के लिए सरकारी कम्पनियों की भूची भेज कर रोजगार सेवाएं प्रदान करने का काम जारी रखते हैं। इस वर्ष इंस्टीट्यूट द्वारा रोजगार सेवा योजना के अंतर्गत रखी गई उम्मीदवारों की सूची में से 101 कम्पनियों ने उपयुक्त उम्मीदवारों की सूची प्राप्त करने की सुविधा का लाभ उठाया। कम्पनियों को 'बार्टर्ड सेल्टरी' में विज्ञापन देने के लिए प्रोत्साहित किया गया है, ताकि उन्हें कहीं अधिक उम्मीदवारों से उत्तर मिल सके।

10. 2 कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 383क में 1988 में किए गए संशोधन के अनुपार इस धारा से भुद्धा सम्बन्धी भी मार्फत होता था और सरकार को मुद्रा सम्बन्धी सीमाएं निर्धारित करने का अधिकार प्रदान कर दिया गया था; इस संशोधन के अनुसार में व्यापार और उद्योग वर्ग लगातार मुद्रा सीमा को बढ़ावने के लिए दबाव आता रहा है। इस बात को ध्यान में रखते हुए कि इंस्टीट्यूट का गठन कोर्पोरेट प्रबंध के व्यावसायीकरण के लिए संवत् द्वारा पारित अधिनियम के अन्तर्गत हुआ था और यह भी कि कम्पनी कार्य विभाग, भारत सरकार द्वारा भी गई सूचना के अनुसार 31 मार्च 1991 को ऐसी कम्पनियों की संख्या केवल 4200 थी, जिनकी शेयर पूँजी 50 लाख रुपए या इससे अधिक है, जबकि जुलाई 1991 में इंस्टीट्यूट के रजिस्टरों में 8000 सवार्थ पंजीकृत है, परिषद् ने सरकार को एक नीति भेजा है, जिसमें अनुरोध किया है कि मुद्रा सम्बन्धी अधिकतम सीमा को अधिनियम में ही शामिल कर दिया जाए और प्रेसिटसरत कम्पनी सचिवों की सेवाएं ऐसी छोटी कम्पनियों के लिए भी इसेमाल की जाए, जिनमें पूर्णकालिक सचिव नियुक्त करना आवश्यक नहीं है।

11. अवैताय की मान्यता :

इस समीक्षा वर्ष के दौरान प्रेसिटसरत कम्पनी सचिवों के लिए निम्नलिखित मान्यताएं प्राप्त की गई हैं:—

- (क) कम्पनी अधिनियम, 1956 के अधीन कम्पनियों द्वारा कम्पनियों के रजिस्ट्रार को फाइल किए जाने वाले दस्तावेजों का प्रमाणीकरण ताकि इन दस्तावेजों को रजिस्ट्रार अपने रिकार्ड में लगभग 10 दिनों की युक्तियुक्त अवधि में अपने रिकार्ड में ले ले।
- (ख) पूँजी निर्गम (पूँजीकरण की कूट) आदेश, 1991 के प्रधीन प्रमाणित करना कि जो कम्पनी पूँजी निर्गम (नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 की धारा 3 के अन्तर्गत एक करोड़ रुपए तक के बोनस निर्गमों के लिए कूट का दावा पेश कर रही है, उसने आदेश के प्रावधानों का अनुपालन किया है।
- (ग) राष्ट्रीयकृत बैंकों द्वारा प्रभारों से संबंधित दस्तावेजों का प्रमाणीकरण के कार्य का आवधान; इनमें विजय बैंक, बैंक ऑफ़ इंडिया, केनरा बैंक, युनाइटेड बैंक ऑफ़ इंडिया, इण्डियन बैंक शामिल हैं।
- (घ) कम्पनी और इसके निवेशकों के करार करने की शक्तियां, अणु सीमा, सरकारी की सूची, पारिषद्वारा और औद्योगिक सरकार विकास और निवेश नियम लि. द्वारा पूँजी निर्गम (कूट) आदेश, 1969 के प्रधीन प्रस्तावित अड्डों की कूट, संकल्प आदि के बारे में प्रमाणीकरण।

12. उन्नीसवां राष्ट्रीय सम्मेलन :

"औद्योगिक विकास के लिए रणनीतियां" विषय पर कम्पनी सचिवों का उन्नीसवां राष्ट्रीय सम्मेलन अशोक होटल, नई दिल्ली में 11 से 13 अप्रैल, 1991 तक हुआ। देश के विभिन्न भागों से लगभग 800 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पारिषद्वारा से भी प्रतिनिधि आमतित किए गए थे। सम्मेलन का उद्देश्य सरकार के औद्योगिक विकास तथा कम्पनी कार्य विभाग के सचिव श्री सुरेश माथुर ने किया। प्रबन्ध उद्योग-

पति श्री हरिशकर सिंधानिया ने मुख्य भाषण दिया। तकनीसि सत्रों की अध्यक्षता और भाषणकर्ताओं में विष्यात बिज्ञान एन. मोहस्ती, सचिव, कार्मिक पेशन तथा शिक्षायत मंत्रालय, बंसीधर, अध्यक्ष, डी. सी. एम - श्रीराम इंडस्ट्रियल एटप्रोजेक्ट, जी. वी. जी. कृष्णमूर्ति, सरस्य, विधि आयोग और विष्वविद्यालय कार्टूनिस्ट भार. के. लक्षण शामिल थे। समाप्त भाषण कम्पनी लों बोडे के अध्यक्ष श्री एस. पी. उपासनी ने दिया।

13. कम्पनी अधिनियम, 1936 का पुनः संशोधनकरण :

इंस्टीट्यूट ने कंपनी अधिनियम, 1936 के पुनः संशोधनकरण विषय पर एक कार्यसाला 14 अप्रैल, 1991 को आयोजित को, जिसमें विभाग, इंस्टीट्यूट के सदस्यों और अग्र व्यावसायिक संस्थाओं के वरिष्ठ अधिकारियां एस. ई. बी. आई. वैस्मर्न आक कामसं एड ट्रेड एसोसिएशनों से निम्नलिखित प्रमुख मामलों से संबंधित कई भवत्पूर्ण मुद्राओं पर विचार विमर्श किया :

- (क) कम्पनियों का रजिस्ट्रेशन और इससे संबंधित मामले
- (ख) कम्पनियों का प्रबन्ध और प्रशासन; तथा
- (ग) निवेशकर्ताओं का संरक्षण और इससे संबंधित मामले।

कम्पनी कार्य विभाग को इस कार्यसाला की रिपोर्ट विचारार्थी और भागी की कार्रवाई के लिए भेज दी गई है।

14. परिषेक्ष्य योजना :

इस वर्ष के दौरान इंस्टीट्यूट के भूत्पूर्व अध्यक्ष श्री सी. भार, शाह की प्रध्यक्षता में गठित परिषेक्ष्य योजना भुप ने अपनी रिपोर्ट दे दी, जिसमें भग्नले दस वर्षों में इंस्टीट्यूट के लिए भीमाति तैयार की गई योजना का स्वत्तप दिया गया है। परिषेक्ष्य योजना की प्रमुख विवेषाएं थेट्रीय परिषदों और साक्षातों के अध्यक्षों को उनके विचार लाने के लिए परिचालित की गई; इसे 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिनिधियों को भी दिया गया ताकि वे सम्मेलन के बुले अधिवेशन में अपने सुझाव दे सकें। परिषेक्ष्य योजना का सारांश चारों सेकेटरी के मई 1991 में भी प्रकाशित किया गया यह जिससे सदस्यगण अपनी विषयाओं और सुझाव दे सकें। परिषद् ने सिद्धांत रूप में रिपोर्ट स्वीकार कर ली है और संचिवालय इस परिषेक्ष्य योजना को प्रथम चरण में कार्यान्वयित करने के लिए इसके तरीके तैयार कर रहा है।

15. सदस्यता-उपराश्त अर्हता पाठ्यक्रम :

परिषद् द्वारा यथाअनुमोदित सदस्यता उपराश्त अर्हता परीक्षा के लिए अपार वित्तियों को अधिनियम के प्रधीन भ्रेता के प्रनुतार अनुमोदन के लिए सरकार को विसम्बर 1990 में भेज दिया गया।

16. अधिनियम और विनियमों में संशोधन :

अधिनियम की धारा 7 में इंस्टीट्यूट के सदस्यों को कंपनी सचिव का जो कानूनी पदवानम दिया गया है, उसका प्राप्ति इत रूप में गलत अर्थ लगाया जाता है, जैसे कि वह कोर्पोरेट प्रबन्ध द्वारा किसी कंपनी का कर्मचारी सचिव है। इस बात को ध्यान में रखते हुए दस वर्ष से अधिक समय तक अधिनियम के लागू होने के बावजूद परिषद् को हुए अनुभव और वर्तमान विनियमों के प्रधीन अनुशासनिक मामलों की आनंदीन में प्राप्त वाली कठिनाईयों को ध्यान में रखते हुए परिषद् ने अधिनियम और विनियमों में समूचित संशोधन के लिए एक विनियम समिति नियुक्त की है।

17. विद्यार्थी सेवाएँ :

17. 1 विद्यार्थियों का पंजीकरण :

रिपोर्टार्डीन वर्ष में इंस्टीट्यूट द्वारा 12,161 विद्यार्थी पंजीकृत किए गए जबकि पिछले वर्ष 12,124 विद्यार्थियों का पंजीकरण हुआ था। इस वर्ष के अन्त में वर्तमान पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या 50,860 थी, जिसमें विनियम 21(3) के प्रधीन बढ़ाए गए रजिस्ट्रेशन भी शामिल हैं।

पंजीकृत विद्यार्थियों की संख्या तथा जिन्होंने इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं उत्तीर्ण कर ली हैं, उनके बारे में आंकड़े इस रिपोर्ट के परिचय में दिए गए हैं।

17.2 प्रायवर्त सामग्री को आदान करता

इस वर्ष सभी प्रभुख विद्यार्थीयों की प्रायवर्त सामग्री को मंगोधित करने वा काम पूरा कर लिया गया। तीन पूरक पत्र, आधिक तथा अन्य विधान, कापरिट कर प्रबन्ध और योजना, तथा 'अप्रत्यक्ष कराधान - विधि और प्रक्रिया' प्रकाशित किए गए जिन विद्यार्थियों के परीक्षण पद्धति में संगोधन करता था, उन्हें संचारित किया गया और उनके सुझाए गए उत्तर प्रकाशित किए गए।

17.3 हिन्दी में प्रायवर्त सामग्री

इंटरमीडिएट पाठ्यक्रम के "कम्पनी ला एंड प्रेटिक्स-II" की प्रायवर्त सामग्री का हिन्दी अनुवाद कर लिया गया है।

17.4 भार्ग वर्षी उत्तर तथा विषय-क्रम में प्रश्नों की सेवारी

विद्यार्थियों के साथ के लिए विसम्बार, 1990 और जून 1991 की परीक्षाओं के मार्गदर्शी उत्तर प्रूप-क्रम में प्रकाशित किए गए हैं। इस वर्ष नए पाठ्य विवरण के प्रवीन होमे वाली इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के सभी विद्यार्थियों पर विषय-क्रम के प्रति सी प्रकाशित कर दिए गए हैं।

17.5 शिक्षण

इस वर्ष पंजीकृत विद्यार्थियों को डाक हारा शिक्षण के लिए भरती किया गया। इस वर्ष कुल 11,279 शिक्षण समापन प्रमाण पत्र जारी किए गए और 1,06,624 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया गया और विद्यार्थियों को वापस भेजी गई।

17.6 मीडियिक शिक्षण केन्द्रों की स्थापना

इस वर्ष बड़ीदार शाखा ने पहली बार एक मीडियिक शिक्षण केन्द्र स्थापित किया। इस प्रकार असीमानीय वर्ष में इंस्टीट्यूट हारा माध्यमा प्राप्त 20 मीडियिक शिक्षण केन्द्र बहु रहे थे।

17.7 स्टुडेंट कम्पनी सेकेटरी

इंस्टीट्यूट कम्पनी सचिवीय पाठ्यक्रम का प्रायवर्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ के लिए स्टुडेंट कम्पनी सेकेटरी ब्लेटिंग नियमित रूप से प्रकाशित करता है। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को नवीनतम विधि सम्बन्धी संक्षेपों की जानकारी देते हुए उनके प्रायवर्त की प्रदूषतन बनाना और विद्यार्थी सेवाओं की प्रशासन तथा प्रेक्टिकल प्रशिक्षण आवश्यकताओं के सम्बन्ध में सूचना प्रवाप करता है।

17.8 आडिटोरी ट्रैप पर सेवन

उद्योग (विकास तथा नियमन) प्रधिनियम तथा एम आर टी पी अधिनियम के प्रस्तावना अधिकृत व्यापार अधिकार विद्यार्थियों पर दो आडिटोरी-ट्रैप तैयार करने के भलाका नियमित बार और प्राक्तिकों द्वारा तैयार की गई और रिपोर्टी दर पर विद्यार्थियों तथा सरस्यों को उपलब्ध कराई गई:—

- (i) एम आर टी पी एस्ट 1969 के व्यवीन अनुचित व्यापारिक अधिकार
- (ii) विकेटी मुद्रा विनियम प्रधिनियम के कुछ महत्वपूर्ण पहलू
- (iii) विकेटी मुद्रा विनियम के अधीन मूल्य-निर्धारण
- (iv) एम आर टी पी एस्ट के व्यवीन एकाधिकार का विवरण तथा प्राप्तिक शक्ति के संक्षेपीकरण का विवरण

इन ट्रैपों की प्रसिद्धिपूर्ण भी प्रकाशित कर दी गई है, जिसमें केसों के उद्धरण थीं, संगत कानूनी प्रावधानों का उल्लेख भी किया गया है। विद्यार्थियों और सरस्यों से इन आडिटोरी-व्यापारों के बारे में प्रत्युत्तर उत्तम वर्णन है।

17.9 पुस्तकालय सुविधाएं

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट के पुस्तकालय और शाखा पुस्तकालय सहायता योजना के प्रवीन 1,68,181 रुपए की पुस्तकें बारीदी गई। यह सभी शाखाओं के पास अपने-अपने पुस्तकालय हैं। जहाँ शाखाएं नहीं हैं, परन्तु कम से कम 100 विद्यार्थी और 10 सरस्य हैं, वहाँ ऐसे स्थानों में आवश्यकताएं पूरी करने के लिए गुडगाय, मस्तिश और नासिक में 'धनुषीय पुस्तकालय' स्थापित किए गए हैं। एक पुस्तकालय योजना को दो छारों में कार्यान्वयित करने का विचार है। प्रथम चरण में केवल काईनल स्तर के विद्यार्थियों को यह सुविधा दी जाएगी। इनके लिए अवधारक तरीकों के स्वरूप को प्रतिस्तम रूप दे दिया गया है और पुस्तके परिवर्ती तथा विभिन्न भारत के लोकोत्तम कालियों को भेज दी गई हैं। दूसरे चरण में इंस्टीट्यूट के विद्यार्थियों के लिए पुस्तकों देने की सुविधा का कार्यान्वयन प्रथम चरण की कार्य पद्धति की जांच करने और इस योजना की व्यावहारिकता का मूल्यांकन करने के बाद ही किया जाएगा।

17.10 मूल्यांकन का पुस्तकालय

इंस्टीट्यूट में अनुसंधान और संदर्भ प्रयोजन के लिए घरने मूल्यांकन में भी एक पुस्तकालय बनाया है।

18 कैरियर परामर्श कार्यक्रम :

इंस्टीट्यूट द्वारा इस वर्ष सीधे तथा यानी लेजेंड परिवर्तों और शाखाओं के जरिए कई कैरियर परामर्श कार्यक्रम अप्रोजित किए। कम्पनी सेकेटरी-सिप्पिं पाठ्यक्रम के बारे में कैरियर परामर्श के लिए प्रवीनी-सामग्री, आर्ट्स, पौस्टरों, ड्राइवरों और ड्राइवर्सेंसियों का उपयोग में साधा गया जिससे कालेज के विद्यार्थियों में इस व्यावसायिक पाठ्यक्रम के प्रति जागरूकता पैदा हो। आकाशशंखी से प्रसारण के अलावा कई सपाकार पत्रों और अवधारणीय पत्रिकाओं में सेवा और प्रबन्ध भी प्रकाशित किए गए। पाठ्यक्रम के बारे में आवश्यक सूचना देश भर में सभी विश्वविद्यालय रोजगार सूचना और मार्गदर्शी भूरी की गई है। कम्पनी सचिवों के व्यवसाय के बारे में दृष्टिकोण तक के लोकों में और अधिक जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से ये प्रयोग किए गए।

19. परीक्षाएं

19.1 परीक्षाओं का आयोजन

समीक्षाधीन वर्ष में इंस्टीट्यूट से जून और विसम्बार, 1990 में सभी भारत में 41 केन्द्र दुवर्दि में कम्पनी सचिव की ग्रीलीमनी, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं आयोजित की गई। जून 1990 के सब में दी नए केन्द्र इलाहाबाद और भोपाल में प्रायोगिक आधार पर खोले गए। जून 1990 में, इंटरमीडिएट परीक्षा में 305 और फाइनल परीक्षा में 393 परीक्षार्थियों ने परीक्षा पास की जबकि विसम्बार 1990 में ऐसे परीक्षार्थियों को संक्षय कमाया: 404 और 516 ही।

19.2 पुराने पाठ्यविवरण के प्रधीन परीक्षाओं की समाप्ति

पाठ्यक्रम (फाइनल) के प्रधीन विसम्बार, 1990 में आडिटोरी परीक्षा दी गई थी, जैसा कि पहले घोषणा की गई थी।

19.3 परीक्षाओं में हिन्दी माध्यम

कम्पनी सचिव परीक्षाओं में हिन्दी के प्रयोग की नीति की परिवर्तन को इंस्टीट्यूट के अनुसार ऐस्टीट्यूट ने अपनी सभी परीक्षाओं के लिए हिन्दी के उपयोग को ईक्सिपिक माध्यम के रूप में अनुमति दे रही है। एक और कदम आगे बढ़ाते हुए दिसम्बर, 1990 के लिए इंस्टीट्यूट परीक्षाओं के मूल-1 के विषयों के प्रश्न पत्र हिन्दी में मुद्रित किए गए; इसके अलावा श्रीलीमिनरी परीक्षा के प्रश्न पत्र हिन्दी में मुद्रित करनी जारी रखा गया।

19.4 जून और दिसम्बर, 1990 की परीक्षाओं में कितने परीक्षार्थी थे और उसीरीण तृप्ति, उत्तरों सम्बन्धित आकड़े इस रिपोर्ट के परिचय भूमि "ब" में दिए गए हैं।

19.5 पाठ्य विवरण की समीक्षा

पाठ्य विवरण की समीक्षा के लिए एक समिति गठित की गई है, जिसके इस पाठ्य विवरण के कुछ हिस्से आवश्यकता से अधिक विविल हो गए हैं तो इसी तरफ ऐसे कुछ हिस्से हैं, जिनमें कार्पोरेट सेक्टर के लिए महत्वपूर्ण प्रशिक्षितों और हाल की घटनाओं को शामिल करने से लाभ हो सकता है।

19.6 अधिकल भारतीय पुरस्कार

जून और दिसम्बर 1990 में हुई फाइनल परीक्षाओं में भागीदार प्रदर्शन के लिए प्रेजीडेंट स्टर्क मैडल प्रशिक्षित क्षेत्र के श्री पी. रंगानाथन और विश्वामी क्षेत्र के श्री एन. श्रीनिवासन ने जीते। पं. नेहरु अवृत्त शताब्दी का वार्षिक पुरस्कार प्रशिक्षित क्षेत्र के श्री शोना कौशिक वन्नहास ने प्राप्त किया। जून तथा दिसम्बर 1990 में हुई इंस्टीट्यूट परीक्षाओं में प्रतिभाशाली प्रदर्शन के लिए प्रेजीडेंट रजत बैडल कमातः उत्तरी क्षेत्र के श्री मनोज जैन और विश्वामी क्षेत्र के एस. वासुदेवन ने जीते। ये अधिकल भारतीय पुरस्कार 11 अप्रैल 1991 को नई विस्तीर्ण में भारत सरकार के विद्यार्थियों के सम्बोधन के लिए लिया गया। इसी दिन भारतीय सहायता योजना के अधिकारी इंस्टीट्यूट से जून 1990 की परीक्षाओं में योग्य पाए परीक्षार्थियों को विशेष सहायता भंजूर की।

19.7 विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और विस्तीर्ण सहायता

भर्तीयान्तरीय विद्यार्थियों की योग्यता को मान्यता प्रदान करने और दिसम्बर 1990 की परीक्षाओं के लिए दस विद्यार्थियों को साराहनीय रूप से परीक्षाएं उत्तीर्ण करने के लिए छात्रवृत्तियां दी गईं। इसी प्रकार भौमिका-विस्तीर्ण सहायता योजना के अधिकारी इंस्टीट्यूट से विसम्बर 1989 तथा जून 1990 की परीक्षाओं में योग्य पाए परीक्षार्थियों को विशेष सहायता भंजूर की।

19.8 योग्यता प्रमाण पत्र

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों की योग्यता को मान्यता प्रदान करने और उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए जून तथा दिसम्बर 1990 में हुई इंस्टीट्यूट तथा फाइनल परीक्षाओं में प्रयत्न दस रैंक प्राप्त करने वाले परीक्षार्थियों को योग्यता प्रमाण पत्र प्रदान किए।

20. प्रबन्ध/प्रेक्टिकल/प्रशिक्षण प्रशिक्षण

20.1 सूचीकरण

समीक्षाधीन वर्ष में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए मान्यता प्राप्त कर्तव्यनियों की संख्या इस प्रकार थी :

क्षेत्र	प्रबन्ध प्रशिक्षण	प्रेक्टिकल प्रशिक्षण
पूर्व	5	8
उत्तर	38	45
धर्म	20	21
प्रशिक्षण	25	33
कुल	88	107

इस वर्ष ने पूर्णकालिक प्रेक्टिकल प्रेक्टिकल कर रहे 15 कम्पनी सचिवों की प्रशिक्षण प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत किया गया। प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्जे की गई कम्पनियों और कम्पनी सचिवों को कुल संख्या तथा विभिन्न प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रायोजित विद्यार्थी की संख्या इस रिपोर्ट के परिणाम 'ठ' में दी गई है।

20.2 प्रशिक्षण को मानीटर करना और मन्त्रवूत यानाना

इस वर्ष मुख्यालय और विद्यार्थी परिषदों/कालागाड़ों ने प्रबन्ध/प्रेक्टिकल प्रशिक्षण के लिए पंजीकृत कर्तव्यनियों को बढ़ाने के लिए प्रयास आरी रखा। विभिन्न क्षेत्रों में व्यावहारिक प्रशिक्षण और प्रशिक्षण के उद्देश्यों और आवश्यकताओं से विद्यार्थियों को परिचित कराने को ब्याग में रखते हुए इंस्टीट्यूट ने "ए ग्राह दू देनोज" नाम की एक व्योरेवार पुस्तिका प्रकाशन के लिए तैयार की है। इसके अलावा और सदस्यों को प्रशिक्षण गाड़ों के रूप में कार्य करने के लिए सूचीबद्ध करने का प्रयास किया है, जो विद्यार्थियों के प्रशिक्षण को वेबसाइट कर सके और नियमित भन्तराल पर आवश्यक मार्गनिर्देश प्रदान कर सकें।

20.3 सचिवीय माडम्यूनर प्रशिक्षण कार्यक्रम

इम वर्ष के दौरान 21 सचिवीय माडम्यूनर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें से चार-चार दिनिंग भारत एंट्रोप परिषद, उत्तरी भारत एंट्रोप परिषद और पश्चिमी भारत एंट्रोप परिषद से आयोजित किए। पुरी भारत एंट्रोप परिषद ने दो कार्यक्रम प्रायोजित किए। मुख्यालय, अहमदाबाद, पुणे, जयपुर, अहमदाबाद, ईवराबाद और बंगलौर शास्त्राओं ने एक-एक कार्यक्रम आयोजित किया, जिनमें 632 विद्यार्थियों से भाग लिया।

इस वर्ष के दौरान सचिवीय माडम्यूनर प्रशिक्षण कार्यक्रम के त्राय माडम्यूलों/पाठ्यक्रमों की सामग्री संशोधित और पुनर्मुद्रित को गई, इसके विभिन्न विद्यार्थी परिवर्तनों और पहले के कार्यक्रमों में भाग लेने वाले विद्यार्थियों से प्राप्त सामग्री का समावेश किया गया। केस अध्ययन समूह-पर्चा और अध्ययन-पृष्ठ साक्षातों के उपयोग पर और अधिक बढ़ दिया गया।

21. लेखे

21.1 आय भाव अन्य राशि

इस वर्ष के आय और व्यय लेखे के वित्तों परिवार रैंकों से पता चलता है कि इस वर्ष 8.16 लाख रुपए का प्रवित्री रहा जबकि पिछले वर्ष यह प्रवित्री 6.83 लाख रुपए था। प्रवित्री में अद्वितीय रूप से जुलाई, 1990 से विद्यार्थी शुरू में संशोधन करने के कारण हुई है।

21.2 कुल का पूंजीकरण

धर्मान्तर प्रबलित पहलि के प्रनुसार इसोसिएट और फैलो सूक्ष्मों से प्राप्त 2.20 लाख रुपए के प्रवेश शुरू को पंजीकृत कर दिया है। वर्ष के मंत्र में पंजीकृत रिजर्व राशि 24.58 लाख रु. थी।

21.3 भवन रिजर्व

वर्तमान पद्धति के प्रनुसार भवन निर्माण के लिए सावधि प्रभारात्मि पर अधित व्याप के कारण 1.41 लाख रुपए की राशि को सीधे भवन रिजर्व लिखि में विनियोजित कर दिया है। आई सी एस आई-एन, आई भार सी के भवन के निर्माण और शास्त्राओं के लिए 15.48 लाख रुपए की अधिक लागत की पूंजीगत घटायारी को भवन रिजर्व में सामान्य रिजर्व लागत में अंतरित कर दिया है। पिछले वर्ष के कुल 23.53 लाख रुपए की तुलना में भवन रिजर्व की कुल राशि 9.76 लाख रुपए है।

21.4 सामान्य रिजर्व

पिछले वर्ष जो सामान्य रिजर्व की कुल राशि 180.29 लाख रुपए थी, प्रभु राशि गम्भीर 203.48 लाख रुपए हो गई है। इस राशि में रिपोर्टिंग वर्ष के लिए 37% से मध्ये मायर कम 8.18 लाख रुपए का अधिक लागत हासिल है।

22. लेखापरीक्षक :

कम्पनी सविव अधिनियम की बारा 18(4) के प्रत्युत्तरण में भैरवी शास्त्राधारण, चार्टर्ड काउण्टेन्स, नई दिल्ली को 31 मार्च 1991 को समाप्त वर्ष के लेखा की लेखा-परीक्षा के लिए लेखा-परीक्षक नियुक्त किया गया। लेखा-विवरण के साथ-साथ लेखा-परीक्षक की रिपोर्ट यहाँ प्रकाशित की गई है। परिषद मैसर्स डी. के. सेनगुप्ता एंड कं., चार्टर्ड एकाउण्टेन्स द्वारा की गई देवाधारों की सराहना कंगनी है; वे इंस्टीट्यूट के लेखा-परीक्षक के रूप में 1988 में हजारे पहले इंस्टीट्यूट की शुरुआत की तारीख से लेकर 31 मार्च, 1990 तक इंस्टीट्यूट से सम्बद्ध रहे।

23. भूमि और भवन

23.1 आई सी एस आई --उन्हीं भारत लेन्डिंग परिषद का भवन

प्रसाद नगर इंस्टीट्यूशनल एरिया, करोल बाग, नई दिल्ली में आई सी एस आई--एन आई पार सी का नक्शा दिल्ली विकास प्रोब्रिकरण ने भंगूर कर दिया है, और सितम्बर 1989 में इसके निर्माण का टेका दे दिया गया। यह परियोजना दिसम्बर 1992 तक पूरी होने की सम्भावना है।

23.2 जयपुर शाखा के लिए अवास

जयपुर शाखा जिसे 1579.35 वर्ग मीटर का फ्लाइट अलाउट हुमा है, उसने जून 1990 में इसके प्रथम चरण के कार्यालय निर्माण का काम सितम्बर, 1991 तक उद्घाटन के लिए बत कर तैयार हो जाएगा; इस पर 8 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है।

23.3 पुणे शाखा कार्यालय परिसर

पुणे शाखा 1200 वर्गमीटर का कार्यालय स्थल ले रहा है, जिस पर 7.80 लाख रुपए की लागत आने का अनुमान है।

23.4 गांधियाबाद शाखा कार्यालय परिसर

गांधियाबाद विकास प्राधिकरण ने गांधियाबाद शाखा को स्वित्तीय योजना के प्रधीन एक एम आई जी फैट अलाउट किया है, जिसका निर्मित क्षेत्रफल 119.94 वर्गमीटर है। इस पर 5.47 लाख रुपए लागत का अनुमान है और फैट निर्माणाधीन है।

23.5 गोवा शाखा कार्यालय परिसर

गोवा शाखा भी 4.26 लाख रुपए की प्रत्युत्तित लागत से 83.22 वर्गमीटर का कार्यालय स्थल ले रही है।

23.6 इंस्टीट्यूट द्वारा पूजी प्रत्युत्तान और छूट

इंस्टीट्यूट की निधि सीमित है, इसमें से परिषद ने उन भैरवीय परियोजनाओं को 41.65 लाख रुपए का पूँजीगत प्रत्युत्तान दिया 19.20 लाख रुपए का छूट दिया जो 91.50 लाख रुपए की लागत से कार्यालय स्थल ले चुके हैं या लेने की प्रक्रिया में जुटे हैं। शाखाओं ने प्रतीक्षी भवन परियोजनाओं को पूरा करने के लिए सेव साधनों को जुटाने के लिए बुद्ध व्यवस्था की है है या कर रही है। इन शाखाओंद्वारा प्रपत्ते कार्यालय स्थल प्राप्त करने के बारे में जो प्रयास किए हैं, परिषद उनकी संराहनी करती है। इन शाखाओं को कार्यालय स्थलों की समुचित साज-सज्जा और देखरेख के लिए तथा प्रपत्ते स्थानीय सवास्थाओं और विद्यार्थियों को बेहतर सेवा प्रदान करने के लिए प्रावृद्धिक कार्यालय उपस्कर प्राप्त करने के लिए भी प्रतिरक्षित साधन जुटाने होते हैं।

24. कम्पनी सविव हितकारी निधि

1976 में परिषद द्वारा सोसाइटी के रूप में ऐक्स्प्रेस की गई कम्पनी सविव हितकारी निधि के भव 31 मार्च 1991 को 1097 आजीवन सदस्य हैं। निधि के उपलियमों में किए गए संशोधन के अनुसार 1989 से इसकी माधारण सवस्यता समाप्त कर दी गई है और

आजीवन सवस्यता शुल्क में संशोधन कर दिया जाया है। निधि में पूँजीगत रिजर्व, सामान्य रिजर्व और अधिकारी निधि 31 मार्च 1991 को कम्पनी 4.53 लाख रुपए और 3.24 लाख रुपए हैं।

25. कर्मचारी कल्याण उपाय

आई सी एस आई इंस्टीट्यूशनल एसेम्बली के 1973 में कल्याण के एक उपाय के रूप में बनाया गया था, जिसे इसकी गतिविधियों के लिए परिषद से विनाय महायता दी गई। इस वर्ष के दौरान कर्मचारियों को स्कूटर बरीदने, मकान निर्माण आदि के लिए 5.60 लाख रुपए की पेनियाँ संजूर दी गई। कर्मचारियों द्वारा उनकी सहकारी बचत तथा झण्डे सोसाइटी और सहकारी पूँजी हाउसिंग सोसाइटी में सहायता करने के प्रत्यावाच विवर ने आई सी एस आई कर्मचारी कल्याण निधि के संवर्तन में भी सहायता दी, जिसके लिए पिछले पांच वर्षों में हूए वाष्पिक राष्ट्रीय सम्मेजनों की अधिकारी राशि से 10,000 रुपए का वार्षिक प्रत्युत्तान दिया।

26. आभार

परिषद के भैरवीय सरकार के भैरवीयों और अधिकारियों, विशेष रूप से कम्पनी कार्यविधियों द्वारा विभाग के प्रति उनके द्वारा संरक्षण, अवधारण भी सर्वदाईन प्रदान करने भी इंस्टीट्यूट की गतिविधियों में प्रपत्ता समर्थन देने के लिए आभार प्रगट करती है। भैरवीय परियोजनों और शाखाओं ने प्रपत्ते-प्रदाने क्षेत्र में अवधारण के विभाग में परिषद के प्रयोजनों में प्रयत्न सहायता दी है। राज्य सरकारों, वित्तीय और घोषणागत तथा विवेशक संस्थानों, सामान्य रूप से निगम क्षेत्र और देश के विभिन्न जैम्बासें आक कामर्स ने लागतार इंस्टीट्यूट के सदस्यों की सेवाएं लेने में प्रपत्ती रुचि बढ़ाई है और उन्होंने निगम विधि, प्रबंध तथा सम्बद्ध क्षेत्रों में इनको विवेशकों को भाव्यता प्रदान की है। परिषदों सचिव और कार्यकारी निदेशक तथा उनके सचिवालय की अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रति प्रपत्ती गहन साराहना प्रस्तुत करती है, जिन्होंने इस रिपोर्टविन वर्ष में परिषद के निर्णयों को कार्यान्वित करने के लिए बड़ी निष्ठा से और कर्तव्य को भावना से काम किया।

हमें इंस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेकेटरीज आफ इंडिया की परिषद,

एन. जे. एन. वडोफार, प्रधान

नई दिल्ली

तारीख : 11 अगस्त 1991

परिशिष्ट "क"

स्थानी और प्रस्थानी समितियाँ
तथा सलाहकार पूँजी

I स्थानी समितियाँ

1. प्रनुपासन समिति

एन. जे. एन. वडोफार, प्रेजीडेंट
वी. पी. गुप्ता (सरकारी नामिती)
टी. बी. पद्मानाभन

प्रधान
सदस्य
सदस्य

2. परीक्षा समिति

वी. बी. प्रहलाद राव
पी. बी. दासी
ए. एन. नवारे

प्रधान
सदस्य
सदस्य

3. वायैकारी समिति

एन. जे. एन. व्हीफार
ही के. प्रहलाद राव
श्री. पी. गुप्ता
ही. सी. जैन
प्लाम्प मेन

प्रध्याधि
सदस्य
मदस्य
सदस्य
मदस्य

8. पाइयरल समीक्षा समिति
श्यामल मेन
एस. ही. इसरामी
ही. ही. रंगामणि
हरीश के वैद

प्रध्याधि
सदस्य
सदस्य
सदस्य

II. अस्थायी समितियाँ

4. समस्यम समिति (आई.सी.ए. आई. तथा
आई. सी. डॉक्यू. ए. आई. के साथ समस्यम के लिए)
एन. जे. एन. व्हीफार
ही के. प्रहलाद राव
श्री. पी. वानी
बी. पी. घनका
ही. आर. मतिक

प्रध्याधि
नदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य

9. आई.सी.एस.आई.उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद की भवन समिति

बी. के. पीड़दार
परमजीत मिह
के. ही. बहौदी
श्री. पी. वानी
एस. एस. शोवर
बी. सी. जैग
एन. के. जैन
टी. पी. मुख्यारमन
संजय शोवर
मुनील गोपन
हरीष के वैद

प्रध्याधि
उपाध्यक्ष
नदस्य
मदस्य
नदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य

5. अधिकारिक निकाम समिति
एन. जे. एन. व्हीफार
विनियंत्रण. आचार्य
बी. पी. धर्मका
एस. डॉ. हसरामी
टी. शी. पद्मानाभन
बी. के. पीड़दार
पी. ही. रंगामणि
हरीष के. वैद

प्रध्याधि
नदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य

III. परामर्शी बोर्ड/ग्रुप

10. कंपनी सचिवीय प्रेक्षित सैन्यपाल के लिए सलाहकार ग्रुप

एन. जे. एन. व्हीफार
आर. रामचन्द्रन
सी. आर. शाह

प्रध्याधि
मदस्य
मदस्य

11. संपादकीय सलाहकार बोर्ड

ही. एन. पाण्डे
श्री. भद्रानी मंकर
दलीप गोस्वामी
ही. सी. जैग
टी. शी. नारायणस्वामी
आर. के. पाण्डे
टी. पी. मुख्यारमन
(संपादक व प्रकाशक)
श्री. शी. टण्डन

प्रध्याधि
सदस्य
पदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
मदस्य
सदस्य

6. प्रशिक्षण तथा शिक्षा सुविधा समिति
ही. के. प्रहलाद नाथ
विनियंत्रण. आचार्य
श्री. पी. वानी
बी. पी. घनका
ए. एन. भवारे
पी. ही. रंगामणि

प्रध्याधि
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य
सदस्य

12. विशेषज्ञ सलाहकार ग्रुप

जटिल पी. एन. भगवती (अकाम प्राप्त)
आर. एन. बंसल
प्रदीप भला
श्री. पी. गोपल
एस. एस. कुमार
एम. आर. लूधग
टी. शी. नारायण स्वामी

प्रध्याधि
सदस्य
मदस्य
सदस्य
मदस्य
मदस्य
सदस्य

7. विनियमन समिति
एन. जे. एन. व्हीफार
ही. के. प्रहलाद नाथ
श्री. पी. वानी
टी. शी. पद्मानाभन
बी. के. पीड़दार
श्यामल मेन

प्रध्याधि
मदस्य
सदस्य
सदस्य
मदस्य
मदस्य

क्षेत्रीय परिषदों की विस्तीर्ण स्थिति और विद्यार्थियों तथा सदस्यों की संख्या

31 मार्च, 1991 को समाप्त वर्ष की बार क्षेत्रीय परिषदों की लिपोटॉ के अनुसार तुलनात्मक विस्तीर्ण स्थिति तथा विद्यार्थियों और सदस्यों की संख्या इस प्रकार है।

मद	क्षेत्रीय परिषदें			
	पूर्वी भारत शे.प.	उत्तरी भारत शे.प.	दक्षिणी भारत शे.प.	पश्चिमी भारत शे.प.
(क) विस्तीर्ण स्थिति (रुपयों में)				
वर्ष 31-3-91 के अन्त में भविष्योग	72,755	46,531	92,205	2,29,089
31-3-91 को रिजर्व और भविष्योग	5,70,730	7,83,778	8,12,417	3,48,658
(ख) विद्यार्थियों और सदस्यों की संख्या :				
विद्यार्थी :				
31-3-1990 को	9,746	14,860	14,270	12,954
31-3-1991 को	9,903	14,250	13,962	12,696
सदस्य:				
31-3-1990 को	1,076	1,727	1,818	2,636
31-3-1991 को	1,134	1,878	1,998	2,813

परिशिष्ट 'ग'

भाग I—सदस्यों सम्बन्धी भांकड़ों की तालिका

भाग I—सदस्यों में वृद्धि

वर्ष	एसोसिएट सदस्य	कुल संख्या		पिछले वर्ष की मुलना में वार्षिक वृद्धि		
		फैलो सदस्य	कुल (1+2)	मकाल	प्रतिशत	
		1	2	3	4	5
क	1985-86 . .	4405(78.59)	1200(21.41)	5605(100)	353	6.72
	1986-87 . .	4648(78.25)	1292(21.75)	5940(100)	335	5.98
	1987-88 . .	4947(78.09)	1388(21.91)	6335(100)	395	6.65
	1988-89 . .	5179(77.66)	1490(22.34)	6669(100)	334	5.27
	1989-90 . .	5647(77.95)	1600(22.05)	7257(100)	588	8.81
	1990-91 . .	6095(77.91)	1728(22.09)	7823(100)	566	7.79
क	1985-86 से 1990-91 तक					
	सकल परिवर्तन . .	1690(76.20)	528(23.80)	2218(100)	--	--
ग	1985-86 से 1990-91 तक					
	प्रशित परिवर्तन . .	38.36	44.00	39.57	--	--
ग	औसत वार्षिक वृद्धि दर प्रतिशत	7.67	8.80	7.91	--	--
इ	संयोजित वार्षिक वर प्रतिशत .	6.71	7.59	6.90	--	--

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए गए भांकड़े प्रतिशत में हैं।

परिशिष्ट 'ग'

सम्बन्धी तालिका

भाग I—सदस्यों में वृद्धि

वर्ष	रजिस्टर में से निकाले गए			कुल सदस्यों में से प्रेक्षित प्रमाण		कुल सदस्यों में से प्रेक्षित प्रमाण	
	चुनाव न करने के कारण	मृत्यु के कारण	कुल (6+7)	निकाले सदस्यों का पद धारकों की प्रतिशत	संख्या	निकाले सदस्यों का पद धारकों का प्रतिशत	संख्या
0	6	7	8	9	10	11	
क	1985-86 . .	98(92.45)	8 (7.55)	106(100)	1.89	749	13.36
	1986-87 . .	68(82.92)	14(17.08)	82(100)	1.38	879	14.80
	1987-88 . .	76(86.36)	12(13.64)	88(100)	1.39	1065	16.81
	1988-89 . .	196(92.02)	17(7.98)	213(100)	3.19	1192	17.87
	1989-90 . .	100(91.74)	09(8.26)	109(100)	1.50	1225	16.88
	1990-91 . .	116(89.92)	13(10.08)	129(100)	1.64	1188	15.19

23
21.69
4.33
4.00

टिप्पणी : कोष्ठक में दिए भांकड़े प्रतिशत में हैं।

भाग -I—प्रेक्षित प्रमाणपत्र घारी सदस्यों में वृद्धि

वर्ष	वर्ष के दौरान				निवल वृद्धि	31 मार्च को तुलना में प्रेक्षित प्रमाणपत्र घारी सदस्यों की संख्या
	जारी	नवीकरण	उत्प	वृद्धि		
1	2	3	4	5	6	
क 1985-86 .	.	145	604	68	77	749
1986-87 .	.	185	694	55	130	879
1987-88 .	.	247	818	61	186	1065
1988-89 .	.	258	934	131	127	1192
1989-90 .	.	122	1103	89	33	1225
1990-91	.	135	1053	216	--37	1188
ख मकाल परिवर्तन (1985-86 से 1990-91)	.					439
ग प्रानशत परिवर्तन (1985-86 से 1990-91 तक)						58.61
घ औसत वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)						11.72
ङ संवेदित वार्षिक दर (प्रतिशत)						9.70

व्यावसायिक विकास कार्यक्रमों की सूची

अवधि	स्थान	कार्यक्रम
1. 26-28 जुलाई, 1990	नई दिल्ली	सरकारी कम्पनी सचिवों के लिए ग्राफिक्स्यास कार्यक्रम
2. 3-4 अक्टूबर, 1990	हैदराबाद	“सरकारी कम्पनियों में विधिक और सचिवीय/प्रबन्ध विषय पर आई सी एस आई—डी.पी.ई. का संयुक्त कार्यक्रम।
3. 13-14 दिसम्बर, 1990	नई दिल्ली	“सरकारी कम्पनियों के विधिक तथा प्रबन्ध संबंधी पहलुओं में वर्तमान मुद्दे” विषय पर आई सी एस आई—डी.पी.ई का संयुक्त कार्यक्रम।

परिशिष्ट 'क'

विद्यार्थियों सम्बन्धी आंकड़े

(1985-86 से 1990-91 तक)

भाग I

वर्ष	पंजीकृत विद्यार्थी	वर्तमान उत्तीर्ण विद्यार्थी		
		कुल	वर्तमान	इण्टरमीडिएट
क.	1985-86	118396	51070	1275
	1986-87	126348	51020	1681
	1987-88	134667	50519	1394
	1988-89	145051	51459	1234
	1989-90	157175	52335	1151
	1990-91	169337	50860	709
ख.	सकल परिवर्तन (1985-86 से 1990-91 तक)		50941	
ग.	प्रतिशत परिवर्तन (1985-86 से 1990-91 तक)		43.02	
घ.	प्रोसेस वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)		8.61	
ङ.	संयोगित वार्षिक वृद्धि दर (प्रतिशत)		7.42	

परिशिष्ट 'क'

परीक्षाओं में बैठें तथा उत्तीर्ण विद्यार्थियों की संख्या के आंकड़े

I.—जून 1990 का स्तर

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
प्रारम्भिक (प्रीलिमिनरी)	66	3	3.03
इण्टरमीडिएट*			
शूप-1	2553	425	16.73
शूप-2	3421	531	15.52
फाइनल (पुराना पाठ्यक्रम)**			
शूप-1	541	179	33.08
शूप-2	897	277	30.88
शूप-3	1351	254	18.80
फाइनल (नया पाठ्यक्रम)***			
शूप-1	381	116	30.44
शूप-2	358	115	32.12
शूप-3	607	186	30.64

*तीनों शूपों में 1054 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों शूपों में 44 ने परीक्षा उत्तीर्ण की (4.17 प्रतिशत)

**सभी तीनों शूपों में 183 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से सभी तीनों शूपों में 5 ने परीक्षा पास की (2.73 प्रतिशत)

***सभी तीनों शूपों में 69 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से सभी तीनों शूपों में 5 ने परीक्षा पास की (7.24 प्रतिशत)

II—दिसम्बर 1990 का मत्र

परीक्षा	बैठे	उत्तीर्ण	उत्तीर्ण प्रतिशत
प्रारम्भिक (प्र० लिमिनर०)	76	5	6.57
इण्टर्मीडिएट**			
ग्रुप-1	2809	485	17.27
ग्रुप-2	3870	676	17.46
फाइनल (पुराता पाठ्यक्रम)≠			
ग्रुप-1	406	140	34.48
ग्रुप-2	785	272	34.65
ग्रुप-3	1379	339	24.58
फाइनल (नया पाठ्यक्रम) ≠ ≠			
ग्रुप-1	500	236	47.20
ग्रुप-2	522	139	26.62
ग्रुप-3	896	151	21.69

**दोनों ग्रुपों में 1296 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से दोनों ग्रुपों में 92 ने परीक्षा पास की (7.09 प्रतिशत)

≠ सभी तीनों ग्रुपों में 178 परीक्षार्थी बैठे जिनमें से 8 ने परीक्षा पास की (4.49 प्रतिशत)

≠ ≠ सभी तीनों ग्रुपों में 144 परीक्षार्थी बैठे, जिनमें से 24 ने परीक्षा पास की (16.66 प्रतिशत)

परीक्षण 'D'

विद्यार्थियों के प्रशिक्षण मन्त्रनाली अधिकारे

(1986-87 से 1990-91 तक)

क्रम सं	31 मार्च का मान्यता प्राप्त कार्यनियों की संख्या	31 मार्च को समाप्त वर्ष के दौरान प्रायोगि विद्यार्थियों की संख्या									
		1987	1988	1989	1990	1991	1987	1988	1989	1990	1991
		120	262	371	460	548	16	74	170	125	12
1. प्रबन्ध प्रशिक्षण											
2. प्रैक्टिळ प्रशिक्षण	580	661	762	850	957	326	432	542	519	664	
3. प्रैक्टिसर्ट कम्पनी सचिव	26	32	67	86	101	25	40	80	82	68	

खन्ना एड अन्नाधानम
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स
706, आकाशवीप, 26ए, बागबद्दा रोड,
पो. बाक्स नं. 648,
सर्वे दिल्ली-110001

नेत्रापरीक्षा की रिपोर्ट

हमने इस्टीट्यूट आफ कॉर्सेटरीज आफ इण्डिया के 31 मार्च 1991 के तुलन-पत्र तथा इसके साथ सलग उसी तारीख को समाप्त वर्ष के आय और व्यय लेखों का परीक्षण भी किया है और हमारी रिपोर्ट इस प्रकार है।

1. हमें वह सभी सूचना और स्पष्टीकरण प्राप्त हो गए, जो हमें अपेक्षित जानकारी और विश्वास के अनुभाव नेत्रा परीक्षा के प्रयोगन के लिए प्रयोगित करने आवश्यक थे।

2. रिपोर्ट का सवधार्णीन तुलन-पत्र और आय एवं व्यय लेखों रखी गई नेत्रा पुस्तकों और रिकार्डों से मंजूर खाते हैं।

3. हमारी राय में और जहाँ तक हमारी जानकारी है तथा प्रस्तुत किए गए स्पष्टीकरणों के प्रत्युत्तर विस्तृतिशित के बारे में मेरे लेखे सही और पर्याप्त स्पष्ट स्थिति प्रगट करते हैं।

(क) इस्टीट्यूट के मामलों से सबधित 31 मार्च, 1991 को समाप्त अवधि के तुलन-पत्र के बारे में स्थिति।

(ख) उपर्युक्त सारीज्ञ को समाप्त वर्ष के आय व व्यय लेखों में अधिगेव से संबंधित स्थिति।

हुते खन्ना एड अन्नाधानम,
चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट

ह.
(बी.जे. मिहू)
पार्टनर

दि इस्टीट्यूट भाफ कम्पनी सेक्टरीज भाफ इंडिया

31 मार्च, 1991 का तुलन पत्र

	अनुसूची में	31 मार्च, 91 (₹. 000)	31 मार्च, 90 (₹. 000)
निविक का संबोधन			
पूँजी रिजर्व	1	2,458	2,238
भवन रिजर्व	2	976	2,353
सामान्य रिजर्व	3	20,348	18,029
		23,782	22,620
निविक का प्रयोग			
स्थायी परिसम्पत्तियां	4		
मकाल ब्लाक		17,815	15,328
घटाएँ : मूल्यहार्दि		4,328	3,691
निविक ब्लाक		13,487	11,637
निवेश	5	10,072	9,472
चालू परिसम्पत्तियां, भूण और पेश गियां			
चालू परिसम्पत्तियां	6	4,969	5,735
भूण और पेश गियां	7	8,181	8,223
		13,150	13,958
		13,150	13,958
घटाएँ : चालू वेष्टाएँ और प्रावधान	8	12,927	12,447
निविक चालू परिसम्पत्तियां		223	1,511
		23,782	22,620
सेक्टरीज नीतियां	15		

1. पिछले वर्ष तक सार्वजनिक अंतर के उद्यमों के संबंधी बंधपत्रों के व्याज को (परियोजना घविति के) कुल वर्षों से कुल व्याज की राशि को बांग कर के मसीहुन प्रणाली के आधार पर आय के रूप में लिया जाता था। इस चालू वर्ष से उतने ही व्याज की आय के रूप में लिया गया है, जितना इस वर्ष के अन्त में अस्तुतः बनता है। इससे इस वर्ष की आय में 97 दृश्यर रुपए की वृद्धि हो गई है। पिछले वर्षों में आय के रूप में लिए गए अधिक व्याज की 9,28,000 रु. को राशि को व्याज प्रोद्धृत लेखा से जमा करके सामान्य रिजर्व में डाल दी गई है और इसे आय तथा व्यय लेखा के जरिए समायोजित नहीं किया गया है।

टिप्पणियाः 2. आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 10 (23 सी) (iv) के मन्तर्गत छूट, जो सरकार के पास निर्णय के लिए यिवाराजीन है, के लागू होने को ध्यान में रखते हुए, कराधान के लिए प्रावधान करना आवश्यक नहीं समझा गया है।

3. पिछले वर्ष के आकड़ों को चालू वर्ष के आकड़ों से तुलना करने के लिए पुनःवर्गीकरण किया गया है।

इसी तारीख को हमारो रिपोर्ट के ग्रन्तीकार

कृत व्यापक एवं अधिकारी

चाटंडे एकाउण्टेंट्स

ह.
(श्री. जे. सिह)
पाटना

ह.
टी. पी. सुम्मारमान
सचिव तथा कार्यकारी निवेशक

ह.
टी. के. प्रह्लाद राव
उपाध्यक्ष

स्थान : नई दिल्ली

तारीख : 19 अगस्त 1991

ह.
(ए. जे. एन. वराकरार)
मध्यक

दि हॉस्टीट्यूट आफ कम्पनी सेकेटरीज आफ इंडिया
31 मार्च, 1991 को ममान वर्ष की आय तथा व्यय लेखा

		प्रमुखी 31 मार्च 1991 (₹. 000)	31 मार्च, 1990 (₹. 000)
आय			
शक्ति	9	17,610	15,964
जनेल ब्लेटिन अभिवान और विज्ञापन		2,234	2,143
प्रकाशनों की शिक्षा		1,241	1,122
निवेश से लाभ		1,582	1,335
मम्मे न और कार्यकर्त्ताओं की अधिशेष राशि	10	8	115
शन्य आग	11	63	34
		23,738	20,613
व्यय			
क्षेत्रीय परिवहन/शावालों की अनुदान		1,263	1,108
क्षेत्रीय कार्यालय		259	168
स्थापना	12	8,767	7,951
इकाइक्षण		3,121	3,105
प्रकाशन और कार्यालय भेंगनरी		1,019	922
जनेल ब्लेटिन		2,039	1,709
यात्रा और सवारी		852	674
परीक्षा व्यय		1,390	1,251
संचार व्यय	13	1,244	1,122
विद्यार्थियों को छाक्षुलियों और प्रस्ताव		37	38
मूल्यांकन		649	672
कट्टे खाते/वसूल न होने वाले ऋणों के निए प्रावधान		14	4
अन्य व्यय	14	1,268	1,206
सामान्य रिजर्व में से जाई गई व्यय से अधिक हुई आय		816	683
		23,738	20,613

हमी नारीबां को हमारी रिपोर्ट के अनुसार

व्यापार एवं प्रभावनम्

वाटेंड एकाउण्टेंट्स

ह.

ह.

ह.

ह.

(बी.जे.सिंह)
पार्टनर

(टी.पी.सुमारसन)
मन्त्रिव और कार्यकारी निवेशक

(बी.के.प्रह्लाद राव)
उपायक

(एन.जे.एन. बड़ीप्रसार)
उपायक

स्थान : नई दिल्ली
तारीख : 19 अगस्त 1991

अनुसूची-1

प्रजीगत रिजर्व

31 मार्च, 1991

(₹ 000)

31 मार्च 1990

(₹ 000)

पूरी रिजर्व

पिछले लेने के अनुसार		2,238		2,037
जोड़े प्रत्रैश शुल्क				
-- एसोमिट मदम्य	192		176	
-- फेलो मदम्य	28	220	25	201
		2,458		2,238

भवन रिजर्व

अनुसूची-2

31 मार्च, 1991

(₹. 000)

31 मार्च 1990

(₹. 000)

पिछले लेखे के अनुसार		2,153		2,496
जोड़े : प्राप्त धनराशिया -	--	75		
-- क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं से योगदान	747		899	
- मावधि जमा राशि पर व्याज	141		240	
-- क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं की भूमि/भवनों की लागत में कमी	--	888	9	1,223
		3,241		3,719

घटाए । सामान्य रिजर्व में अंतरण

-- क्षेत्रीय परिषदों से योगदान*	747	899		
-- इंस्टीट्यूट द्वारा बहन की गई निर्माण लागत	1,518		449	
	2,265		1,348	
2 क्षेत्रीय परिषदों/शाखाओं की भूमि/भवनों की लागत में कमी	--	2,265	18	1,366
	976			2,353

*इसमें पिछले वर्ष प्राप्त 7,38,000 रुपए की राशि शामिल है, और जिसे चान्दू देवनाथों के अन्तर्गत दिखाया गया है।

भासाथ रिजर्व

	31 मार्च, 1991 (₹. 000)	31 मार्च, 1990 (₹. 000)
पिछले नेटवे के अनुसार		
जोड़े :		
प्रबन्ध रिजर्व से अंतरण	2,265	1,348
निम्नलिखित के लिए आधिक प्रावधान--		
(क) पुनर्लिखित अनुदान	158	--
(ख) पुनर्लिखित सम्पत्ति का	8	362
आय तथा अय नेटवे के अनुसार अधिशेष	816	3247
		683
		2393

		21,276
		18,029
घटाएँ		
सार्वजनिक क्षेत्र के जलमोरे के बध पक्षों पर प्रोत्सङ्ख व्याज के प्राधार में परिवर्तन के कारण समायोजन-मुलनपत्र की टिप्पणी । देखिए।	929	--

		20,348
		18,029

मनुसूची-4

स्थायी परिस्थितियाँ

(₹ '000)

मंदे	सकल ब्लाक			मूल्यहास			निवल ब्लाक			
	1-4-90 वर्ष के	वर्ष के	31-3-91	1-4-90 वर्ष के	वर्ष के	कुल	31-3-91	31-3-90		
	कोलागत दौरान	दौरान	को कुल को	दौरान	दौरान	मूल्य-	को	को		
	वृद्धि	विक्री	नागत स्थिति			समाप्तज्ञ स्थिति				
			समायोजन							
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
—भूमि	2,424	--	--	2,124	--	--	--	--	2,424	2,424
—भवन	8,639	--	--	8,639	1,342	365	--	1,707	6,932	7,297
—पाइपलाइन/फ़्लाई शेड	20	--	--	20	19	†	--	19	1	1
—भवन (निर्माणाधीन)	221	2,265	--	2,486	--	--	--	--	2,486	221
—नीचर और ज़ुड़नार	1,151	25	1	1,175	622	55	--	677	498	520
—शतानूकोंक और कलर	892	44	--	936	555	57	--	612	324	337
—फ़िल्टर	84	--	--	84	12	11	--	23	61	72
—विज्ञी के उपस्कर	168	18	--	186	72	17	--	89	97	96
—कार्यालय उपस्कर	796	57	12	841	498	53	12	539	302	298
—मूल्य उपस्कर	19	1	--	20	10	2	--	12	8	9
—पुस्तकालय में पुस्तके	795	91	--	896	536	70	--	606	280	259
—वाहन	119	--	1	118	25	19	†	44	74	94
इस वर्ष का कुल जोड़	15,328	2,501	14	17,815	3,691	649	12	4,328	13,487	11,637
पिछले वर्ष का कुल जोड़	13,526	1,926	124	15,328	3,068	672	49	3,691	11,637	10,458

† एक हजार से अधीन

टिप्पणियाँ

1 पख्तो (विज्ञी के उपस्कर भी शामिल हैं) और विभिन्न प्रकार की बड़ियों (कार्यालय उपस्कर भी शामिल है) की मूल्यहास दर 10 प्रतिशत से बढ़ा कर 15 प्रतिशत कर दी गई है।

2 इस वर्ष के दौरान खरीदी गई सभी बम्बुओं पर पूरे वर्ष का मूल्यहास लगाया गया है।

3 निर्माणाधीन भवन में निमित्त पौत्रों की खरीद के लिए, दी गई अधिक राशियाँ शामिल हैं।

अनुसूची - 5

निवेश

	31 मार्च 1991	31 मार्च 1990
	(₹ 000)	(₹ 000)
निवेश		
मार्वजनिक ओवर के उद्यमों के बब्पत्र	5,200	5,200
बैंक के पास सावधि जमा राशि	4,800	4,200
पुरस्कार प्रदान करने के लिए निवेश (हमरी तरफ)	40	40
सार्वजनिक बैंकों के उद्यमों के बब्पत्र	32	32
बैंकों के पास सावधि जमा राशि		
	10,072	9,472

अनुसूची - 6

आनंद परिमम्पत्तियाँ

	31 मार्च, 1991	31 मार्च, 1990
	(₹ 000)	(₹ 000)
भण्डार		
(इनका मूल्य प्रत्यक्ष लागत की निम्नतम वर या प्रबलको द्वारा प्रमाणित भण्डार मात्र के अनुमार छोड़ा गया है)		
—प्रकाशन	194	539
—कागज	463	630
—प्रध्यायक सामग्री	1,932	2,129
—अन्य	241	137
	3,130	3,435

विविध देनदार

(क) अरक्षित राशि, जिसकी वसूल हानि की सम्भावना है	9	23
ब्याए वसूल न हो सकने और सदिगद झट्टों के लिए रिजर्व	128	170
	137	195
(ख) अरक्षित राशि, जिसकी वसूली संविधान है	20	6
ब्याए वसूल न हो सकने और सदिगद झट्टों के लिए रिजर्व	20	6
	137	195

नकदी और बैंक शेष

हस्तगत नकदी, डाक टिकटे और ब्रूपट	94	82
सेविंग बैंक खातों में अनुसूचित बैंकों के पास		
बैंक शेष	1,608	1,702
	2,023	2,105
	4,969	5,733

मनुसूची - 7

ऋण और पेशगियां (भारक्षित - परन्तु बसूची योग्य)

31 मार्च 1991	31 मार्च, 1990
(₹. 000)	(₹. 000)

ऋण

क्षेत्रीय परिवहन/शाखाएं	1,410	1,754
पेशगियां		
निवां इः १११० शाखा	5,064	4,699
कर्मचारी	1,185	950
क्षेत्रीय परिवहन/शाखाएं	72	--
पूर्व प्रदल स्थप	177	79
विविध जमा राशियां	161	137
अन्य पेशगियां	112	604
	8,181	8,223

मनुसूची - 8

आलू देयताएं और प्राप्तवान

31 मार्च, 1991	31 मार्च, 1990
(₹. 000)	(₹. 000)

आलू देयताएं

विविध नेतृत्वार	234	523
विद्यालयों का भ्रमाप्त रजिस्ट्रेशन शुल्क	5,873	5,200
क्षेत्रीय पार्श्वयो/शाखाओं को देय अनुदान	714	509
शुल्क और अन्य राशियां, जो अधिक्षम प्राप्त हुई	644	56
प्राप्त धन राशियों का पुनः घावटन	306	321
देय स्थप	1,424	640
चिकित्सा स्थप योजना	23	15
पुरस्कार प्रदान करने के लिए प्राप्त धन राशियां (हसरी तरफ)	72	72
कर्मचारी सेक्रेटरी और आई सी एम आई कर्मचारी हितकारी निधि	39	62
उत्तरी भारत क्षेत्रीय परिषद के भवन के लिए अंशवान	--	738
	9,329	9,366

प्राप्तवान

देव्युटी	1,667	1,526
पेशन	1,931	1,555
	3,598	3,081
	12,927	12,447

सदस्यों और विद्यार्थियों से शुल्क

31 मार्च 1991 31 मार्च 1990

(₹ 000) (₹ 000)

सदस्य		
वार्षिक शुल्क	2,133	2,006
पर्याय शुल्क	17	24
	2,150	2,030
 विद्यार्थी		
परीक्षा शुल्क	3,624	3,370
शाक शिक्षण शुल्क	9,136	8,263
रजिस्ट्रेशन शुल्क	2,642	2,682
लाइसेंस शुल्क	90	53
छूट शुल्क	972	609
पर्याय शुल्क	19	19
	16,541	15,006
 शुल्क शुल्क	15,693	17,036
पटाएँ : जनन/बुलेटिन के लिए नियम प्रगतिशान	1,033	1,172
	17,810	15,864

प्रत्यक्षी- 10

सम्मेलन और कार्यक्रमों से आय

31 मार्च, 1991 31 मार्च, 1990

(₹ 000) (₹ 000)

प्राप्तिया

प्रतिनिधि शुल्क

-- 775

विज्ञापन

-- 89

पुनर्विधिन प्रधिकार प्राप्तियां

10 --

प्रथम

-- 99

10 953

घटाए अद्य

818

प्रथम

-- 2 -- -- 818

अन्य

2

घटाए कर्ता विवाह/विवाह दैनिक विवाह विविध का प्राप्तिया

-- 2 20 838

8 115

प्रत्यक्षी- 11

अन्य आय

31 मार्च, 1991 31 मार्च, 1990

(₹ 000) (₹ 000)

कर्मचारीयों पेशागियों से आज

23 14

स्थार्ट विस्मितियों का विकी से प्राप्त अविशेष

4 2

विविध आय

36 18

63 34

प्रत्यक्षी- 12

स्थापना अद्य

7,166 6,531

बेतन और भर्ते

524 470

कर्मचारी कल्याण

361 334

भविष्य निधि में अंशदान

295 321

ग्रेडुटी

421 295

पेशान

8,767 7,951

नोट सेवानिवृत्त कर्मचारियों को वर्ष के दौरान ऐच्यूटों का भवान 1,53,000 रुपए

अनुसूची- 13

संचार स्थिति

	31 मार्च, 1991	31 मार्च, 1990
	(₹. 000)	(₹. 000)
	939	812
	305	310
	1,244	1,122

अनुसूची- 14

अर्थ स्थिति

	31 मार्च, 1991	31 मार्च, 1990
	(₹. 000)	(₹. 000)
विज्ञापन और प्रचार	87	81
बैंक प्रधार	25	23
बिजली और पानी	209	185
विमा	14	13
फिराया, दरें और कर	128	125
भरमत और अनुरक्षण	174	154
कालाना स्थिति	33	83
सोट-कार स्थिति	60	33
कार्यालय स्थिति	107	107
कम्प्यूटरीकरण	159	143
लेक्षापरीकरण को भुगतान		
-- सार्विधिक लेखा परीक्षा	10	10
-- आंतरिक लेखा परीक्षा	--	18
आवासाधिक पशिक्षण और विकास	29	63
बैंकों	63	43
पैकिंग और बाणी	160	118
	1,266	1,206

अनुसूची सं. 15

लेक्षाकार नीतियाँ

- फैला और एसोसिएट संस्थाओं से प्रबोध शुल्क प्राप्त होने पर उसका वंजीकरण कर दिया गया है।
- क्षेत्रीय परिषदों/शासकाओं द्वारा भूमि नवाया भवत की लागत के बारे में मीठे प्राप्त धन राशि और अंशदारों की भवत रिजर्व खाते में जमा किया गया है। भूमि अर्दीदाने/भवत नियमण पर बम्बुदः खार्ड हुए नियियों को सामान्य रिजर्व में अंतरित कर दिया गया है।
- समय नियंत्रण के भाग के रूप में भवत नियंत्रण के निवेश पर अंजित छ्याज का हिसाब वर्ष के दौरान उपलब्ध औसत नियंत्रण के आधार पर लगाया गया है और भवत नियंत्रण के खाले में जमा किया गया है।
- रजिस्ट्रेशन शुल्क को छोड़कर विद्यार्थियों से प्राप्त शुल्क का हिसाब प्राप्ति-प्रदान पर किया गया है। रजिस्ट्रेशन शुल्क को पांच वर्ष की अवधि में बराबर-बराबर राशि वेतन रूप में लिया गया है।
- कालाना, प्रकाशनों और अध्ययन-सामग्री के स्टॉक के मूल्य को लागत के आधार पर लिया गया है।
- नियेशोंको भी लागत आधार पर लिया गया है।
- स्थायी परिस्थितियों के भूम्य लालाम को परिषद द्वारा अनुमोदित हरों पर लालाम-मूल्य आधार पर लगाया गया है। वर्ष के दौरान हर्दि वृद्धि पर मूल्यहाम पूर्ण वर्ष के लिए लगाया गया है।
- पेशत और सेष्टुटी के निए प्रावधान जीवनांकिक मूल्यकलन के आधार पर किया गया है। संविन नियंत्रण और इंडियाट्रूटर की अधिशेष नियंत्रण का निवेश सार्वजनिक सेक्टर के उद्यमों में किया गया है, तथा इन शोरों की अलग-अलग पहचान नहीं रखा गई है।

THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA

(Constituted under the Company Secretaries Act 1980)

NOTIFICATION

New Delhi, the 10th September, 1991

**F. NO. 104/19/Act--ELEVENTH ANNUAL REPORT
OF THE INSTITUTE OF COMPANY SECRETARIES OF INDIA FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH, 1991.**

1. INTRODUCTION

In pursuance of the requirement of Sub-section (5) of Section 18 of the Company Secretaries Act, 1980 (the Act), the Council of the Institute of Company Secretaries of India is pleased to publish the eleventh annual report and the audited statements of account along with the auditors' report thereon, on the working of the Institute for the year ended 31 March, 1991. Some of the significant activities of the Institute, upto the date of the report, have also been outlined herein.

2 DEVELOPMENTS

2.1 Last year, the Manipur Industrial Development Corporation Limited and the Assam Industrial Development Corporation Limited had decided to introduce secretarial audit for their assisted companies. During the year, the Punjab State Industrial Development Corporation Limited has recommended to its assisted companies to utilise the services of company secretaries for secretarial assignments while the State Industrial and Investment Corporation of Maharashtra has agreed to introduce secretarial audit on a selective basis. The Maharashtra State Financial Corporation has suggested Secretarial audit in companies assisted by it where the paid up capital is less than Rs. 25 lacs. Recently, the Gujarat Industrial Investment Corporation Limited has also approved introduction of secretarial audit in companies assisted by it. Similar representations in this behalf have also been made to various other state level Industrial Development and Investment Institutions.

2.2 As a follow up of our efforts to bring about professional discipline in small companies and at the same time to relieve such companies from the consequences of unintended non-compliance of the provisions of the Companies Act due to ignorance or lack of professional expertise or support, the Institute has submitted a detailed note to the Department of Company Affairs suggesting introduction of secretarial compliance report by a secretary in whole-time practice for smaller companies through an amendment to the Companies Act, 1956. The introduction of secretarial compliance report will go a long way in carving out an exclusive area of practice for company secretaries. Further encouraged by the Department's receptivity and willingness to consider all suggestions to professionalise corporate management, the Institute has submitted a representation to the Government for encouraging the role of professionals in corporate management. The Government has since decided that all returns required to be filed with the Registrar of Companies, if certified as correct by company secretaries or other specified profession in practice may be taken on record expeditiously say within ten days.

2.3 During the year under report, representations have been made to Sri Lanka, Mauritius, United Kingdom, Singapore and other countries for recognising ICSI membership for appointment of company secretaries under their statutes.

2.4 It is gratifying to note that Industrial Development Bank of India and the Board for Industrial and Financial Reconstruction have agreed to consider the Institute's request to nominate senior members of the Institute on the Boards of companies assisted by them.

3. COUNCIL

3.1 President and Vice-President

At the meeting of the Council held on 1 January, 1991, D. C. Jain relinquished the office of President N. J. N. Vazidar and D. K. Prabhada Rao were elected as President and Vice-President respectively for period of one year from 1 January, 1991. The Council places on record its appreciation

of the valuable contribution made by D.C. Jain as President of the Institute.

3.2 Composition

The Central Government appointed Sudha Pillai, Joint Secretary, Department of Company Affairs, as its nominee on the Council in place of V. K. Majotra with effect from 4 June, 1991. All other Council Members continued to hold office upto the date of this Report. The Council places on record its appreciation of the services rendered by V. K. Majotra as a Council Member.

3.3 Meetings

The Council held six meetings during the year.

3.4 Committees, etc.

The Council constituted three Standing Committees and six other Committees. The Council also constituted various specialised Groups and Advisory Boards to assist the Council. The composition of these Committees, Groups and Advisory Boards is given in Appendix 'A' to the Report.

4. REGIONAL COUNCILS AND CHAPTERS

4.1 Regional Councils

The four Regional Councils constituted by the Council for assisting it in its efforts had been smoothly performing their functions during the year. They had been conducting conferences, seminars and meetings, providing services such as oral coaching and Secretarial Modular Training Programmes for students, library facilities, career counselling, publication of regular news bulletins and providing assistance to Chapters in their jurisdiction. The activities of Regional Councils and Chapters are regularly reported in their newsletters and in 'Chartered Secretary'. The reserves and surplus of each Regional Council, along with the number of members and students in each region as on 31 March, 1991, are given in Appendix 'B' to the Report.

4.2 Chapters

The thirty-four Chapters, duly constituted under the jurisdiction of the four Regional Councils, conducted activities locally during the year for the education and training of students and the professional development of members.

4.3 Presentation of Best Chapter Awards

At the inaugural session of the 19th National Convention of Company Secretaries held at Hotel Ashok, New Delhi on 11 April, 1991, Suresh Mathur, Secretary, Departments of Industrial Development and Company Affairs, presented the following Awards for 1989-90:

National Best Chapter	Jaipur (North)
Regional Best Chapters	
(a) Eastern Region	Guwahati
(b) Northern Region	Jaipur
(c) Southern Region	Thiruvananthapuram
(d) Western Region	Pune

5. SECRETARIAT

With a view to enhancing the efficiency and effectiveness of the secretariat in rendering improved services to students and members, the organisation structure was modified. A beginning has also been made towards computerising the activities of the Institute.

6. MEMBERS

6.1 Membership

During the year, 640 Associate Members were admitted and 139 Associates were admitted as Fellow Members bringing the total number of members on 31 March, 1991 to 7,823, comprising of 6,095 Associates and 1,728 Fellows. The number of members residing abroad as on 31 March, 1991 was 173. During the year under review, the names of 129 members (21 Fellows and 108 Associates) were removed from the Register due to non-payment of annual fees, death or resignation.

6.2 Growth

A Table showing the statistics relating to the number of members and those holding certificates of practice, is given in Appendix 'C' to the Report.

6.3 List of Members

In pursuance of Section 19(3) of the Act read with Regulation 161 of the Company Secretaries Regulations, 1982 (the Regulations), a complete list of members as on 1 April, 1991, has been published for supply to members, on request.

6.4 Certificate of Practice

Certificates of practice were issued to 135 members during the year. At the end of the year, 1,188 members were holding certificate of practice as against 1,225 as on 31 March, 1990. This marginal decrease was mainly due to non-renewal of certificates under Regulation 168, of such members who were engaged in any other business/occupation. The certificates of 216 members stood cancelled due to non-payment of annual fees, death, surrender or other ineligibilities.

The Council had been considering for quite some time, the need to give an independent identity and status to the profession and a thrust to the concept of company secretary in whole-time practice—a concept which has even been accorded statutory recognition in Section 2(45A) of the Companies Act, 1956. This need arose from the present status of the profession and the development of the practising side of the profession simultaneously with the increasing recognitions that are being conferred on it, the growing acceptance of secretarial audit and the realisation that the profession could be properly regulated and its growth facilitated if an independent status is provided to company secretaries in practice. The Council has accordingly decided to prohibit issue of certificate of practice to members in employment effective from 1 June, 1991. The certificate of practice already issued to members in employment will not be renewed after 31 March, 1992, if such members continue to be in employment.

7 PROFESSIONAL DEVELOPMENT AND CONTINUING EDUCATION PROGRAMMES

7.1 As a part of the efforts of the Institute for professional development of its members three programmes were organised during the year as per the details given in Appendix 'D' to the Report. The Institute also associated itself with PHD Chambers of Commerce and Industry in six training programmes organised by it for potential entrepreneurs in the SSI sector.

7.2 A thirty-minute video film on the profile of a company secretary is under production to highlight the role of relevance and utility of the profession for the benefit of potential employer/user organisations including small scale entrepreneurs. The video film estimated to cost Rs. 1 lac, is sponsored by Modi Rubber Ltd. and Modi Xerox Ltd., New Delhi.

8. PUBLICATIONS

8.1 'Chartered Secretary'

The Institute's prestigious monthly journal, 'Chartered Secretary', continued to earn acclaim for its presentation, quality and promptness in providing relevant, timely and useful information including government notifications, legal decisions and articles. In May 1990 a special issue on the Union Budget was brought out as has been done in the past. 'Chartered Secretary' has a readership of over 50,000 and is an effective medium of communication with members and company executives, helping them update their professional knowledge. As in the past, authors of articles adjudged as the best in legal management and accountancy disciplines from articles published in the 20th volume of 'Chartered Secretary' (1990) were presented cash awards by Suresh Mathur, Secretary, Departments of Industrial Development and Company Affairs, in the inaugural session of the 19th National Convention of Company Secretaries held on 11 April, 1991.

8.2 Guidance Notes

The growth of the practising side of the profession has heightened the importance of adhering to the highest standards of professional conduct and ethics. To enable company secretaries in practice, who are, in effect, the ambassadors of the profession, to discharge their professional responsibilities efficiently, the manuscripts of guidance notes on the following have been finalised for publication:

- (a) Secretarial Audit
- (b) Certification of Forms relating to Charges
- (c) Pre-certification of other Forms required to be filed with the Registrar of Companies.

8.3 Manual of Company Secretarial Practice

The work on the loose-leaf Company Secretaries' Handbook intended to cover both substantive law and practical notes and to serve as an authentic reference manual on various aspects of Company Law and related provisions of Industries (Development and Regulation) Act; Capital Issues (Control) Act; Securities Contracts (Regulation) Act; Foreign Exchange Regulation Act; Income-tax Act and MRTA Act is progressing.

8.4 Investors' Guidance Series

With a view to educating the lay investors on the legal and procedural aspects of transfer of shares and the rights of fixed deposit holders, the following two booklets were prepared by the Directorate of Studies, Research and Publications of the Institute and published by the Delhi Stock Exchange during the year under review:

- (a) Law and procedure for transfer of shares listed on a recognised stock exchange; and
- (b) Law and procedure for compulsory repayment of company fixed deposits.

The third in this series "Investment decision making by a lay investor" is also now ready for publication.

8.5 Other Publications

The Research Study on Annual Reports of companies has been published. Research is also being undertaken on the topics of "Auditors' Qualifications and Replies thereto in the Director's Report" and on "Secretary's participation on the Board."

9. EXPERT ADVISORY GROUP

The Expert Advisory Group constituted for rendering expert advisory services to members on intricate problems in Company Law and Secretarial Practice, under the Chairmanship of Justice P. N. Bhagwati, former Chief Justice of India, became functional during the year under report.

10. EMPLOYMENT OPPORTUNITIES

10.1 The Institute continues to publicise the significant role played by its members through interaction with Chambers of Commerce, Bureaux of Public Enterprises and other bodies. The Institute is also continuing its efforts with the Department of Banking. At our instance, the Comptroller and Auditor General of India has since decided to give monetary incentives to employees working in the offices of C & AG qualifying in company secretarship examinations. The Institute, its Regional Councils and Chapters continue to provide employment services to companies under the Employment Service Scheme furnishing lists of members for employment. During the year under report 101 companies availed of the facility of obtaining panel of suitable candidates from the Institute from the Employment Service Scheme maintained by it. Such companies have been encouraged to advertise in 'Chartered Secretary' for obtaining a wider panel of candidates.

10.2 Pursuant to the amendment in 1988 to Section 193A of the Companies Act, 1956, removing the monetary limits from the section and empowering Government to prescribe the monetary limits there have been continuous pressures on the government from Trade and Industry to

increase substantially the monetary limit. Taking into account that the Institute was constituted by an Act of Parliament for professionalisation of corporate management and that the number of companies with a paid up share capital of Rs. 50 lacs and above is only 4,200 as on 31 March, 1991 according to the information given by the Government of India, Department of Company Affairs, as compared to over 8,000 members on the Register of the Institute as on 1 July, 1991, the Council has given a suitable note to the Government for incorporating the monetary ceiling in the Act itself and to utilise the services of company secretaries in practice for small companies not required to employ a whole-time secretary.

11. RECOGNITIONS TO THE PROFESSION

The following recognitions have been secured for company secretaries during the year under report :—

- (a) Pre-certification of all documents to be filed by companies with the Registrar of Companies under the Companies Act, 1956, for taking on record by the Registrar within a reasonable period of about 10 days.
- (b) Certification that the provisions of the Capital Issues (Exemption of Capitalisation) Order, 1991, have been complied with by the company claiming exemption for bonus issues upto Rs. 1 crore under Section 3 of the Capital Issues (Control) Act, 1947.
- (c) Assignments for certification of documents relating to charges, by Nationalised Banks including Vijaya Bank, Bank of India, Canara Bank, United Bank of India and Indian Bank.
- (d) Certification of powers of company and its directors to enter into agreements, borrowing limits, list of members, exemption to proposed borrowing under the Capital Issues (Exemption) Order, 1969, resolutions, etc. by the Pondicherry Industrial Promotion, Development and Investment Corporation Ltd.

12. NINETEENTH NATIONAL CONVENTION

The 19th National Convention of Company Secretaries on the theme "Strategies for Industrial Growth" was organised at Hotel Ashok, New Delhi from 11 to 13 April, 1991. The Convention, which was attended by 600 delegates from all parts of the country and invitees from Pakistan, was inaugurated by Suresh Mathur, Secretary, Departments of Industrial Development & Company Affairs, Government of India. Hari Shankar Singhania, a noted industrialist, delivered the key-note address. The technical sessions were chaired by eminent personalities including N. Mohanty, Secretary, Department of Personnel, Pension & Grievances; Bansi Dhar, Chairman, DCM-Shriram Industrial Enterprises Limited and G.V.G. Krishnamurti, Member-Secretary, Law Commission. S. P. Upasani, Chairman, Company Law Board, delivered the valedictory address.

13. RE-CODIFICATION OF THE COMPANIES ACT, 1956

A workshop on re-codification of the Companies Act, 1956, was organised by the Institute on 14 April, 1991, when senior officers from the Department, members of the Institute and other professional bodies, Securities & Exchange Board of India, Delhi Stock Exchange, Chambers of Commerce and Trade Associations deliberated upon a number of suggestions dealing with three major issues :—

- (a) Registration of companies and matters incidental thereto;
- (b) Management and administration of companies; and
- (c) Investors' protection and matters incidental thereto.

A report on the workshop has been submitted to the Department of Company Affairs for its consideration and further necessary action.

14. PERSPECTIVE PLAN

During the year the Perspective Planning Group submitted its report containing a well-documented Plan for the Institute for the next decade. The salient features of the perspective

plan were circulated among the Chairman of the Regional Councils and Chapters to elicit their views and were also circulated to the delegates at the 19th National Convention so that they could offer suggestions thereon at the open session of the Convention. The gist of the perspective plan was also published in the May 1991 issue of 'Chartered Secretary' affording members at large an opportunity to give their comments and suggestions. The Council has accepted the Report in principle and the Secretariat has geared itself up for implementing the perspective plan in the first phase and is working out the modalities.

15. POST MEMBERSHIP QUALIFICATION COURSE

The draft regulations as approved by the Council for introduction of post membership qualification examination have been sent to the Government in December 1990 for approval as required under the Act and the approval is awaited.

16. AMENDMENTS TO THE ACT AND REGULATIONS

The statutory designation "Company Secretary" given in Section 7 of the Act for members of the Institute, is misconstrued generally as an emp'oyee-secretary of a company by corporate management. Taking into account the experience gained by the Council after operating the Act for over a decade and the difficulties encountered in processing the disciplinary cases under the existing Regulations, the Council has appointed a Regulations Committee to suggest suitable amendments to the Act and Regulations.

17. STUDENTS SERVICES

17.1 Registration

During the year under report, 12,161 students were registered as compared to 12,124 students registered during the previous year. The number of students whose registration was current at the end of the year was 50,860 including those whose registration was extended under Regulation 21(3). Appendix 'E' to the Report gives the statistics of the number of registered students as well as those who have completed the Intermediate and Final examinations.

17.2 Updating of Study Material

The revision of study material on all the major subjects was completed during the year. Three supplements, one each on Economic and other Legislations; Corporate Tax Management and Planning; and Indirect Taxation—Law and Procedures, were published. Test Papers for the subjects under revision were also revised and corresponding suggested answers brought out.

17.3 Study Material in Hindi

Study material relating to Company Law and Practice-II of the Intermediate Course has been translated in Hindi.

17.4 Guidelines Answers and Topic-wise Questions under new Syllabus

Guideline Answers for December 1990 and June 1991 examinations, were brought out group-wise for the benefit of students. Topic-wise questions on all subjects of Intermediate and Final examinations were also brought out during the year under review.

17.5 Coaching

All the students registered during the year were enrolled for postal tuition. 11,279 coaching completion certificates were issued during the year and 1,06,624 response sheets were evaluated and returned to students.

17.6 Establishment of Oral Tuition Centres

During the year under review, the Baroda Chapter, for the first time established an oral tuition centre. Thus, 29 oral coaching centres recognised by the Institute were functioning during the year under review.

17.7 Student Company Secretary'

The Institute regularly brings out the 'Student Company Secretary' a monthly bulletin for the benefit of students pursuing the company secretaryship course mainly to apprise and

update them of legislative amendments, studies and information relating to administration of student services and practical training requirements.

17.8 Lectures on Audio Tapes

In addition to the two audio tapes on—(i) Industries (Development and Regulation) Act and (ii) Restrictive Trade Practices, during the year under report, four more audio tapes were produced and made available for sale at subsidised prices to students and members on the following topics:

- (i) Unfair Trade Practices under MRTA Act, 1969;
- (ii) Some important aspects of FERA;
- (iii) Valuation under Central Excise Law; and
- (iv) Control of Monopolies and Prevention of Concentration of Economic Power under the MRTA Act.

The respective transcripts incorporating therein the citation of cases and relevant statutory provisions were also published. The response from students and members to the audio lectures has been encouraging.

17.9 Library Facilities

During the year under review, books worth Rs. 1,68,181 were purchased for adding to the Institute's libraries under the Chapter Library Assistance Scheme. All the Chapters have now been equipped with their own libraries. Satellite libraries, to cater to students at places where there are no Chapters but there are at least 100 students and 10 members have been established at Gurgaon, Ambala and Nasik. The Postal Library Scheme is slated for implementation in two phases. In the first phase, the facility is being extended to the Final level students only. The requisite modalities for the same have been finalised. The second phase, pertaining to supply of books to the Intermediate students will be implemented after monitoring the functioning of the first phase and evaluating the feasibility of the scheme.

17.10 Headquarters Library

The Institute also maintains a library in the headquarters for research and reference purposes.

18 CAREER COUNSELLING

Numerous career counselling programmes were held during the year by the Institute directly as well as through its Regional Councils and Chapters. While providing career guidance about the company secretaryship course, use was made of exhibition material, charts, posters, brochures and transparencies to create awareness about the professional course among college students. Articles and write-ups were also published in a number of newspapers and professional magazines apart from a broadcast on All India Radio. Necessary information about the course was also provided to all the University Employment Information and Guidance Bureaux in the country. These efforts are aimed at creating greater awareness about the company secretaries' profession even in remote areas.

19. EXAMINATIONS

19.1 Conduct of Examinations

During the year under report, Company Secretaries' Preliminary, Intermediate and Final examinations were held in June and December 1990, in 41 centres in India and one centre abroad in Dubai. Commencing from the June 1990 session, two new examination centres were opened, on an experimental basis, at Allahabad and Bhopal. In June 1990, 305 and 393 candidates completed the Intermediate and Final examinations respectively while the corresponding figures for December 1990, were 404 and 515 candidates.

19.2 Discontinuance of Final examination under the old syllabus

The last examination under the old syllabus (Final) was held in December 1990 as announced earlier.

19.3 Hindi medium in Examinations

In pursuance of the commitment towards increased usage of Hindi in company secretaries examinations, the Institute has allowed use of Hindi as an alternative medium for all

its examinations. Further, as a progressive step, question papers for Group-I subjects of the Intermediate Examination were printed in Hindi for the December 1990 session, in addition to continuing printing of question papers of the Preliminary examination in Hindi.

19.4 Statistics on Students in Examinations

Details of the number of candidates appeared and passed and the pass percentage in June and December 1990 examinations, are given in Appendix 'F' to the Report.

19.5 Review of the Syllabus

A Committee has been constituted to review the syllabus which was found to be unwieldy in some areas whereas in other areas it could benefit from the inclusion of recent developments and enactments of significance to the corporate sector.

19.6 All India Prize Awards

P. Ranganathan from Western Region and N. Srinivasan from Southern Region won the President's Gold Medal for outstanding performance in the Final examinations held in June and December 1990, respectively. Pt. Nehru Birth Centenary Prize was bagged by Khona Kaushik Chandrasah from Western Region. Manoj Jain from Northern Region and S. Vasudevan from Southern Region were the winners of the President's Silver Medal for outstanding performance in the Intermediate examinations held in June and December 1990 respectively. The All India Prize awards were distributed at the inaugural session of the 19th National Convention of Company Secretaries held on 11 April, 1991, in New Delhi by the chief guest, Suresh Mathur, Secretary, Departments of Industrial Development and Company Affairs Government of India.

19.7 Scholarships and Financial Assistance to Students

Pursuant to the existing Merit Scholarship Scheme, scholarships to nine eligible top meritorious students were given in June 1990 and to ten in December 1990 examinations. Similarly, financial assistance under the Merit-cum-Means Assistance Scheme was granted to three eligible candidates in each session of examinations held in December 1989 and June 1990.

19.8 Merit Certificates

With a view to recognise meritorious performance in examinations and to encourage talented students, merit certificates were awarded to the first ten rank holders in the Intermediate and Final examinations held in June and December 1990.

20 MANAGEMENT/PRACTICAL/APPRENTICESHIP TRAINING

20.1 Empanelment

During the year under report, the number of companies recognised for imparting training was as under :

Region	Management Training	Practical Training
East	5	5
North	38	45
South	20	21
West	25	33
	88	107

In addition, 15 company secretaries in whole-time practice were registered to impart apprenticeship training. The statistics of number of companies recognised for training company secretaries empanelled for apprenticeship training and number of students sponsored for undergoing various kinds of training are given in Appendix 'G' to the Report.

20.2 Monitoring and Strengthening of Training

Efforts were continued by Head Office and Regional Councils/Chapters during the year to increase the number of companies

registered for imparting management practical training. With a view to familiarising the students with the objectives and requirements of practical experience as well as training in different areas, a detailed booklet titled 'A Guide to Trainees' has been published by the Institute. Further efforts have also been made to enlist more members to act as Training Guides to monitor the training to students and to provide necessary guidance at regular intervals.

20.3 Secretarial Modular Training Programme (SMTP)

During the year under report, 21 SMTPs were held, 4 each by SIRC, NIRC & WIRC, 2 by EIRC and one each by Head Office, Ahmedabad, Pune, Jaipur, Chandigarh, Hyderabad and Bangalore Chapters which were attended by 652 candidates.

During the year, the four modules/course material of SMTP were revised and reprinted incorporating therein various legislative changes and the need back received from candidates who participated in earlier programmes. More emphasis was given to case studies, group discussions and use of audio-visual aids.

21. ACCOUNTS

21.1 Income & Expenditure Account

The financial results for the year show a surplus of Rs. 8.10 lacs as compared to a surplus of Rs. 6.83 lacs for the previous year. The increase in surplus is mainly due to revision of students fees with effect from July 1990.

21.2 Capitalisation of fee

As per the existing practice, a sum of Rs. 2.20 lacs being the entrance fee received from Associate and Fellow members was capitalised. The capital reserve at the end of the year stood at Rs. 24.58 lacs.

21.3 Building Reserve

As per current practice, a sum of Rs. 1.41 lacs on account of interest accrued on fixed deposits earmarked for Building Fund has been appropriated directly to the Building Reserve Account. The capital payments to the tune of Rs. 15.18 lacs, towards part of the cost of the ICSI-NIRC building and Chapters, have been transferred to General Reserve from the Building Reserve. The Building Reserve shows a total of Rs. 9.76 lacs as compared to Rs. 25.53 lacs for the previous year.

21.4 General Reserve

The General Reserve which stood at Rs. 180.29 lacs at the end of the previous year now stands increased to Rs. 203.48 lacs. It includes addition of surplus of income over expenditure of Rs. 8.16 lacs for the year under report.

22. AUDITORS

Messrs Khanna & Annadhanam, Chartered Accountants, New Delhi were appointed as auditors of the Institute to audit the accounts for the year ended 31 March, 1991, pursuant to the requirements of section 18(4) of the Act. The auditors' report is published herewith alongwith the statements of account. The Council places on record its appreciation of the valuable services rendered by Messrs D. K. Sengupta & Co., Chartered Accountants, who were associated as auditors of the Institute from the date of inception of the earlier Institute in 1968 till 31 March, 1990.

23. LAND AND BUILDING

23.1 ICSI-NIRC Building

The building plan for the ICSI-NIRC building in Prasad Nagar Institutional Area, Karol Bagh, New Delhi, was approved by the Delhi Development Authority and the contract for construction was awarded in September 1989.

23.2 Jaipur Chapter Building

The Jaipur Chapter which was allotted a plot admeasuring 1579.35 sq. mtrs. had started construction of the first phase of its building in June 1990, at a total cost of Rs. 8 lacs and the building is expected to be ready for inauguration in September 1991.

23.3 Pune Chapter Office Premises

The Pune Chapter is acquiring an office space of 1200 sq. ft. at an estimated cost of Rs. 7.80 lacs.

23.4 Ghaziabad Chapter Office Premises

The Ghaziabad Chapter has been allotted an MIG flat by the Ghaziabad Development Authority of a built-up area of 119.94 sq. mtrs. under the self-financing scheme, at an estimated cost of Rs. 5.47 lacs and the flat is under construction.

23.5 Goa Chapter Office Premises

The Goa Chapter is also acquiring office space of 83.22 sq. mtrs. at an estimated cost of Rs. 4.76 lacs.

23.6 Capital Grants and Loans by the Institute

Out of the limited funds available with the Institute, the Council has so far given capital grants of Rs. 41.65 lacs and loans of Rs. 19.20 lacs to Regional Council/Chapters which have acquired or are in the process of acquiring office premises worth Rs. 91.50 lacs. The Chapters have made or are making their own arrangements to raise the balance resources for completion of their building projects. The Council places on record its appreciation of the efforts undertaken by these Chapters to acquire their own office premises. Efforts are also required to be made by these Chapters to raise additional resources for proper furnishing and maintenance of the premises and to acquire modern office equipments for providing better services to local members and students.

24. COMPANY SECRETARIES BENEVOLENT FUND

The Company Secretaries Benevolent Fund, registered as a Society by the Council in 1976, now has a strength of 1097 life members as on 31 March 1991. As per an amendment to the Bye-laws of the Fund, ordinary membership was discontinued with effect from 1 September, 1989, and life membership subscription has been revised to Rs. 500. The capital reserve and general reserve of the Fund amount to Rs. 4.53 lacs and Rs. 3.24 lacs respectively, as on 31 March, 1991.

25. EMPLOYEE WELFARE MEASURES

The ICSI Employees' Club, promoted as a welfare measure in 1973, received annual financial assistance from the Council for its activities. During the year, advances amounting to Rs. 5.60 lacs were granted to employees for purchase of scooters, construction of houses, etc. Apart from helping the employees to have their own Cooperative Thrift and Credit Society and Cooperative Group Housing Society, the Council has also assisted the promotion of ICSI Employees' Benevolent Fund for which an annual grant of Rs. 10,000 has been made from the surplus of annual National Conventions for the last five years.

26. ACKNOWLEDGEMENT

The Council places on record its gratitude to the Ministers and officers of the Central Government, particularly, the Department of Company Affairs, for their continued guidance and support to the development of the profession and the activities of the Institute during the year. The Council is also grateful to various State Governments, financial and industrial and investment institutions, the corporate sector in general, and various Chambers of Commerce and Trade Associations which have been increasingly inclined to avail of the services of members of the Institute and recognise their expertise in the field of corporate laws, finance, management and allied areas. The Council also places on record its deep appreciation of the assistance and cooperation of Regional Councils and Chapters and of the commitment and devotion to duty exhibited by all levels of officers and staff of the Institute.

For and on behalf of the Council
of the Institute of Company Secretaries of India
N.J.N. VAZIFDAR, President

New Delhi.

Date : 11 August, 1991.

APPENDIX-A**COMPOSITION OF STANDING AND NON-STANDING COMMITTEES AND ADVISORY BOARD/GROUPS****I STANDING COMMITTEES****1. Disciplinary Committee**

N.J.N. Vazifdar, President	Chairman
V.P. Gupta (Government Nominee)	Member
T.V. Padmanabhan	Member

2. Examination Committee

D.K. Prahlada Rao	Chairman
O.P. Dani	Member
A.N. Navare	Member

3. Executive Committee

N.J.N. Vazifdar	Chairman
D.K. Prahlada Rao	Member
V.P. Gupta	Member
D.C. Jain	Member
Shyamal Sen	Member

II NON-STANDING COMMITTEES**4. Co-ordination Committee**

(for coordination with ICAI & ICWAI)

N.J.N. Vazifdar	Chairman
D.K. Prahlada Rao	Member
O.P. Dani	Member
B.P. Dhanuka	Member
D.R. Malik	Member

5. Professional Development Committee

N.J.N. Vazifdar	Chairman
Bipin S. Acharya	Member
B.P. Dhanuka	Member
S.D. Israni	Member
T.V. Padmanabhan	Member
V.K. Poddar	Member
P.T. Rangamani	Member
Harish K. Vaid	Member

6. Training & Educational Facilities Committee

D.K. Prahlada Rao	Chairman
Bipin S. Acharya	Member
O.P. Dani	Member
B.P. Dhanuka	Member
A.N. Navare	Member
P.T. Rangamani	Member

7. Regulatory Committees

N.J.N. Vazifdar	Chairman
D.K. Prahlada Rao	Member
O.P. Dani	Member
T.V. Padmanabhan	Member
V.K. Poddar	Member
Shyamal Sen	Member

8. Syllabus Review Committee

Shyamal Sen	Chairman
S.D. Israni	Member
P.T. Rangamani	Member
Harish K. Vaid	Member

9. ICSI - NIRC Building Committee

V.K. Poddar	Chairman
Paramjeet Singh	Vice-Chairman
K.D. Baheti	Member
O.P. Dani	Member
U.S. Grover	Member
D.C. Jain	Member
N.K. Jain	Member
T.P. Subbaraman	Member
Sanjay Grover	Member
Sunil Goyal	Member
Harish K. Vaid	Member
Virender Ganda	Member

III ADVISORY BOARDS/GROUPS**10. Advisory Group for Manual of Company Secretarial Practice**

N.J.N. Vazifdar	Chairman
R. Ramachandran	Member
C.R. Shah	Member

11. Editorial Advisory Board

T.N. Pandey	Chairman
B. Bhavani Sankar	Member
Deepti Goswami	Member
D.C. Jain	Member
T.V. Narayanaswamy	Member
R.K. Pandey	Member
T.P. Subbaraman	Member
(Editor & Publisher)	
B.B. Tandon	Member

12. Expert Advisory Group

Justice P.N. Bhagawati (Retd.)	Chairman
R.N. Bansal	Member
Pradeep Bhalla	Member
V.P. Goel	Member
S.S. Kumar	Member
M.R. Luthra	Member
T.V. Narayanaswamy	Member

APPENDIX-B

**FINANCIAL POSITION OF REGIONAL COUNCILS AND
NUMBER OF STUDENTS AND MEMBERS IN EACH REGION
(as on 31-3-1991)**

Item	Regional Councils			
	EIRC	NIRC	SIRC	WIRC
(a) Financial Position (in Rupees)				
Surplus for the year ended 31-3-1991	72 755	46 531	92 205	2 29 089
Reserves and Surplus as on 31-3-1991	5 70 730	7 83 778	8 12 417	3 48 658
(b) Number of Students and Members				
Students				
As on 31-3-1990	9 746	14 860	14 270	12 954
As on 31-3-1991	9 903	14 250	13 962	12 696
Members				
As on 31-3-1990	1 076	1 727	1 818	2 636
As on 31-3-1991	1 134	1 878	1 998	2 813

TABLE OF STATISTICS ON MEMBERS

Part I—Growth of Members

Year	Total number of			Annual Growth over previous year		Removal from Register			M of total number of removals	No. of C.P. Holders	% of C.P. Holders to total mem bership
	Associate Members	Fellow Members	Total (1+2)	Absolute	%	Due to non-payment	Due to Death, etc.	Total (6+7)			
	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
A											
1985-86	4405 (78.59)	1203 (21.41)	5605 (100)	353	6.22	98 (92.45)	8 (7.55)	105 (100)	1.89	749	13.36
1986-87	4648 (78.25)	1292 (21.75)	5940 (100)	335	5.98	68 (82.92)	14 (17.08)	82 (100)	1.38	879	14.80
1987-88	4947 (78.09)	1388 (21.91)	6335 (100)	395	6.65	76 (86.36)	12 (13.64)	88 (100)	1.39	1065	16.81
1988-89	5179 (77.66)	1490 (22.34)	6669 (100)	334	5.27	196 (92.02)	17 (7.98)	213 (100)	3.19	1192	17.87
1989-90	5647 (77.95)	1600 (22.05)	7257 (100)	588	8.81	100 (91.74)	9 (8.26)	109 (100)	1.50	1225	16.88
1990-91	6095 (77.91)	1728 (22.09)	7823 (100)	566	7.79	116 (89.92)	13 (10.08)	129 (100)	1.64	1188	15.19
B Absolute change (1985-86 to 1990-91)											
	1690 (76.20)	528 (23.80)	2218 (100)						23		
C Percentage change (1985-86 to 1990-91)											
	38.76	44.00	+ 39.57						21.69		
D Average Annual Growth Rate (%)											
	7.67	8.80	7.91						4.33		
E Compound Annual Growth Rate (%)											
	6.71	7.59	6.90						4.00		

Note : Figures in brackets are in percentage □ C.P.=Certificate of Practice.

PART II—CERTIFICATE OF PRACTICE HOLDERS

During the year

Year	Issued	Renewed	Cancelled	Net increase	Total number of Members holding Certificate of Practice as on 31 March	
					6	
	1	2	3	4	5	6
A						
1985-86	145	604	68	77	749	
1986-87	185	694	55	130	879	
1987-88	247	818	61	186	1065	
1988-89	258	934	131	127	1192	
1989-90	122	1103	89	33	1225	
1990-91	135	1053	216	-37	1188	
B Absolute change (1985-86 to 1990-91)						
					439	
C Percentage change (1985-86 to 1990-91)						
					58.61	
D Average Annual Growth Rate (%)						
					11.72	
E Compound Annual Growth Rate (%)						
					9.70	

APPENDIX-D

LIST OF PROFESSIONAL DEVELOPMENT PROGRAMMES

Period	Place	Programme
1. July 25–28, 1990	New Delhi	Orientation Programme for Secretaries in Government Companies
2. October 3–4, 1990	Hyderabad	ICSI—DPE Joint Programme on "Legal and Secretarial Management in Government Companies"
3 December 13–14, 1990	New Delhi	ICSI—DPE Joint Programme on "Current Issues in Legal & Management Aspects of Government Companies"

APPENDIX-E

STATISTICS ON STUDENTS
(1985-86 to 1990-91)

Year	Registered Students	Candidates who completed		
		Total	Current	Intermediate
A 1985-86	1 18 396	51 670	1 275	420
1986-87	1 26 348	51 020	1 681	510
1987-88	1 34 667	50 519	1 394	616
1988-89	1 45 051	51 459	1 234	824
1989-90	1 57 175	52 335	1 151	779
1990-91	1 69 337	50 860	709	908
B Absolute change (1985-86 to 1990-91)	50 941			
C Percentage Change (1985-86 to 1990-91)	43.07			
D Average Annual Growth Rate (%)	3.61			
E Compound Annual Growth Rate (%)	7.42			

APPENDIX-F

STATISTICS ON STUDENTS APPEARED AND PASSED IN EXAMINATIONS
I—June 1990 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass Percentage
Preliminary	66	2	3.03
Intermediate**			
Group I	2553	425	16.73
Group II	341	531	15.52
Final			
(Old Syllabus)¶			
Group I	511	179	33.08
Group II	897	277	30.88
Group III	1351	254	18.80
Final			
(New Syllabus)¶¶			
Group I	381	116	30.44
Group II	358	115	32.12
Group III	607	186	30.64

** 1054 candidates appeared for both groups out of whom 44 candidates passed both groups (4.17%)

¶ 183 candidates appeared for all groups out of whom 5 candidates passed all groups (2.73%)

¶¶ 69 candidates appeared for all groups out of whom 5 candidates passed all groups (7.24%).

II—December 1990 Session

Examination	Appeared	Passed	Pass Percentage
Preliminary	76	5	6.57
Intermediate**			
Group I	2809	485	17.27
Group II	3870	676	17.46
Final			
(Old Syllabus)≠			
Group I	406	140	34.48
Group II	785	272	34.65
Group III	1379	339	24.58
Final			
(New Syllabus)≠≠			
Group I	500	236	47.20
Group II	522	139	26.62
Group III	696	151	21.69

** 1296 candidates appeared for both groups out of whom 92 candidates passed both groups (7.09%)

≠ 178 candidates appeared for all group, out of whom 72 candidates passed all groups (4.49%)

≠≠ 144 candidates appeared for all groups out of whom 24 candidates passed all groups (16.66%)

APPENDIX-G

STATISTICS ON TRAINING TO STUDENTS
(1986-87 To 1990-91)

Sl No.	Training	No. of Companies/Company Secretaries recognised as on 31st March					No. of students sponsored during the year ending 31st March				
		1987	1988	1989	1990	1991	1987	1988	1989	1990	1991
1. Management Training		120	262	371	460	558	16	74	170	125	129
2. Practical Training		580	661	762	850	957	326	432	542	519	664
3. Apprenticeship Training with company secretaries in practice		26	32	67	86	101	25	40	80	82	68

**KHANNA & ANNADHANAM
CHARTERED ACCOUNTANTS**
706, Akash Deep, 26-A, Barakhamba Road
P.O. Box 648, New Delhi-110 001

AUDITORS' REPORT

We have audited the Balance Sheet of the Institute of Company Secretaries of India as at 31st March, 1991 and also the annexed Income and Expenditure Account for the year ended on that date. We report that:

- we have obtained all information and explanations which to the best of our knowledge and belief were necessary for the purpose of our audit;
- the Balance Sheet and the Income and Expenditure Account dealt with by the report are in agreement with the book of account; and
- in our opinion and to the best of our information and according to the explanations given to us, the statements give a true and fair view:
 - in the case of the Balance Sheet, of the state of affairs as at 31st March, 1991, and
 - in the case of the Income and Expenditure Account, of the surplus for the year ended on that date.

For KHANNA AND ANNADHANAM
Chartered Accountants

Place New Delhi

Sd/-
(B.J. SINGH)
Partner

Dated: August 19, 1991

2341 GI/91-5

BALANCE SHEET AS AT 31ST MARCH, 1991

	Schedule	31st March, 1991		31st March, 1990	
		(Rs. 000)	(Rs. 000)	(Rs. 000)	(Rs. 000)
SOURCES OF FUNDS					
Capital Reserve	1		2,458		2,238
Building Reserve	2		976		2,353
General Reserve	3		20,348		18,029
			23,782		22,620
APPLICATION OF FUNDS					
Fixed Assets	4				
Gross Block		17,815		15,328	
Less: Depreciation		4,328		3,691	
Net Block			13,487		11,637
Investments	5		10,072		9,472
Current Assets Loans and Advances					
Current Assets	6	4,969		5,735	
Loans and Advances	7	8,181		8,223	
		13,150		13,958	
Less: Current Liabilities and Provisions	8	12,927		12,447	
Net Current Assets			223		1,511
			23,782		22,620
ACCOUNTING POLICIES					
	15				

- Notes:
- Till previous year interest on cumulative Bonds of Public Sector Undertakings was taken to income on equated method by dividing the total cumulative interest by the number of years (maturity period). From the current year, interest has been taken to income to the extent actually accrued at the end of the year. This has resulted in income for the year being higher by Rs. 97 thousands. The excess interest taken to income in the previous years amounting to Rs. 928 thousand has been debited to General Reserve by credit to Interest Accrued Account and has not been adjusted through Income and Expenditure Account.
 - No provision for taxation has been considered necessary in view of the application for exemption u/s 10(23C)(iv) of the Income-Tax Act, 1961 pending with the Government.
 - Previous year figures have been regressed to make them comparable with current year figures.

As per our report of even date

For KHANNA AND ANNADHANAM
Chartered Accountants

Sd/-
(B.J. SINGH)
PARTNER

New Delhi
August 19, 1991

Sd/-
(T.P. SUBBARAMAN)
Secretary & Executive Director

Sd/-
(D.K. PRAHLADA RAO)
Vice-President

Sd/-
(N.J.N. VAZIFDAR)
President

**INCOME AND EXPENDITURE ACCOUNT
FOR THE YEAR ENDED 31ST MARCH 1991**

	Schedule	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
INCOME			
Fees	9	17,610	15,864
Subscription to Journal/Bulletin and Advertisements		2,234	2,143
Sale of publications		1,241	1,122
Interest on Investments		1,582	1,335
Surplus from Convention and Programmes	10	8	115
Other Income	11	63	34
		22,738	20,613
EXPENDITURE			
Grants to Regional Councils/Chapters		1,263	1,108
Regional Offices		259	168
Establishment	12	8,767	7,951
Postal Tuition		3,121	3,105
Publications and Office Stationery		1,019	922
Journal/Bulletin		2,039	1,709
Travelling and Conveyance		852	674
Examination expenses		1,390	1,251
Communication expenses	13	1,244	1,122
Student Scholarships & Awards		37	38
Depreciation		649	672
Provision for Bad & Doubtful Debts		14	4
Other expenses	14	1,268	1,206
Excess of Income over Expenditure transferred to General Reserve		816	683
		22,738	20,613

As per our report of even date

For KHANNA AND ANNADHANAM
Chartered Accountants
Sd/-
(B.J. SINGH)
PARTNER

New Delhi	Sd/-	Sd/-	Sd/-
August 19, 1991	(T.P. SUBBARAMAN)	(D.K. PRAHLADA RAO)	(N.J.N. VAZIFDAR)
2341 GI/91—6	Secretary & Executive Director	Vice-President	President

CAPITAL RESERVE

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 Rs. 000)	
As per last Account	2,238		2,037
Add: Entrance Fees			
Associate Members	192	176	
Fellow Members	28	220	25
	2,458		2,238

Schedule 2

BUILDING RESERVE

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 Rs. 000)	
As per last Account	2,353		2,496
Add: Donations		75	
Contribution from Regional Councils/Chapters	747	899	
Interest on Fixed Deposits	141	240	
Reduction in cost of Regional Councils/Chapters' land/building	—	888	9
	3,241		3,719
Less: 1. Transfer to General Reserve			
Contribution from			
Regional Councils/Chapters*	747	899	
Construction cost borne by the Institute	1,518	449	
	2,265	1,348	1,366
2. Reduction in cost of Regional Councils'/Chapters' land/building	—	2,265	18
	976	2,353	2,353

*This includes Rs. 738 thousands received in the previous year and shown under Current Liabilities.

Schedule 3

GENERAL RESERVE

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)	
As per last Account	18,029		15,636
Add: Transfer from Building Reserve	2,265	1,348	
Excess provision for			
(a) grants written back	158	—	
(b) Property tax written back	8	362	
Surplus as per Income & Expenditure A/c	816	3,247	683
	21,276	18,029	2,39
Less: Adjustment due to change in the basis of accruing interest on Bonds of Public Sector Undertakings—			
See Note 1 on Balance Sheet	928		
	20,348	18,029	—

FIXED ASSETS

ITEMS	GROSS BLOCK			
	Cost as on 1-4-90	Additions during the year	Sales/Adjustment during the year	Total cost as on 31-3-91
Land	2,424	—	—	2,424
Buildings	8,639	—	—	8,639
Cycle/Scooter Shed	20	—	—	20
Buildings (under constrn.)	221	2,265	—	2,486
Furniture & Fixtures	1,151	25	1	1,175
A/C Installation & Coolers	892	44	—	936
Computer	84	—	—	84
Electrical Equipment	168	18	—	186
Office Equipment	796	57	12	841
Other Equipment	19	1	—	20
Library Books	795	91	—	886
Vehicle	119	—	1	118
This Year Total	15,328	2,501	14	17,815
Previous Year Total	13,526	1,926	124	15,328

Rs. 000

Schedule 4

As on 1-4-90	DEPRECIATION			NET BLOCK	
	For the year	Adjustment during the year	Total depreciation	As on 31-3-91	As on 31-3-90
—	—	—	—	2,424	2,424
1,342	365	—	1,707	6,932	7,297
19	*	—	19	1	1
—	—	—	—	2,486	221
622	55	—	677	498	529
555	57	—	612	324	337
12	11	—	23	61	72
72	17	—	89	97	96
498	53	12	539	302	298
10	2	—	12	8	9
536	70	—	606	280	259
25	19	*	44	74	94
3,691	649	12	4,328	13,487	11,637
3,068	672	49	3,691	11,637	10,458

*less than Rs. one thousand

Notes:

- The rate of depreciation for fans (included in electrical equipment) and various types of clocks (included in office equipment) has been increased from 10% to 15%.
- Full year's depreciation has been provided on all the purchases made during the year.
- Buildings under construction include advance payment for purchase of constructed flats.

Schedule 5

INVESTMENTS

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
Bonds of Public Sector Undertakings	5,200	5,200
Fixed Deposits with Banks	4,800	4,200
Investments for Prize Awards (Per Contra)		
Bonds of Public Sector Undertakings	40	40
Fixed Deposits with Banks	32	32
	10,072	9,472

Schedule 6

CURRENT ASSETS

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
STOCK (Valued at lower of direct cost or market value as certified by the Management)		
Publications	494	539
Paper	463	630
Study Material	1,932	2,129
Others	241	137
	3,130	3,435
SUNDAY DEBTORS		
(a) Unsecured considered good		
Outstanding for more than six months	9	25
Others	128	170
	137	195
(b) Unsecured considered doubtful	20	6
Less: Reserve for Bad & Doubtful Debts	20	6
	137	195
CASH AND BANK BALANCES		
Cash, Postal Stamps & Drafts in hand	94	82
Bank Balances with Scheduled Banks in Savings		
Bank Accounts	1,608	2,023
	1,702	2,105
	4,969	5,735

Schedule 7

LOANS AND ADVANCES (UNSECURED CONSIDERED GOOD)

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
LOANS		
Regional Councils/Chapters	1,410	1,754
ADVANCES		
Accrued Interest on Investments	5,064	4,699
Employees	1,185	950
Regional Councils/Chapters	72	—
Prepaid Expenses	177	79
Sundry Deposits	161	137
Other Advances	112	604
	8,181	8,223

Scheduled 8

CURRENT LIABILITIES AND PROVISIONS

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
CURRENT LIABILITIES		
Sundry Creditors	234	523
Unexpired Students Registration Fee	5,873	5,200
Grants payable to Regional Councils/Chapters	714	509
Fee and other amounts received in Advance	644	86
Donation Reallocated	306	521
Expenses Payable	1,424	1,640
Hospitalisation Scheme	23	15
Deposits received for prize awards (per Contra)	72	72
Company Secretaries & ICSI Employees	39	62
Benevolent Funds		
Contribution for Building from NIRC	—	738
	9,329	9,366
PROVISIONS		
Gratuity	1,667	1,526
Pension	1,931	1,555
	3,598	3,081
	12,927	12,447

Schedule 9

FEES FROM MEMBERS AND STUDENTS

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
MEMBERS		
Annual Fees	2,133	2,006
Other Fees	17	24
	2,150	2,030
STUDENTS		
Examination Fees	3,624	3,370
Postal Tuition Fees	9,136	8,263
Registration Fees	2,682	2,682
Licentiate Fees	90	53
Exemption Fees	972	609
Other Fees	39	29
	16,543	15,006
TOTAL FEES		
Less: Allocated to Subscription for Journal/Bulletin	13,693 1,083	17,036 1,172
	1,610	15,864

Schedule 10

INCOME FROM CONVENTION AND PROGRAMMES

	31st March, 1991 (Rs 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
Receipts		
Delegate Fees	—	775
Advertisements	—	89
Excess provision written back	10	—
Others	—	89
	10	953
Less Expenditure		
Direct		818
Others	2	—
	2	818
Less Allocation to Company Secretaries/ ICSI Employees Benevolent Funds	—	20
	—	838
	8	115

Schedule 11

OTHER INCOMES

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
Interest on Staff Advances	23	14
Surplus on sale of Fixed Assets	4	2
Miscellaneous Income	36	18
	63	34

Schedule 12

ESTABLISHMENT COSTS

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
Salary and Allowances	7,166	6,531
Staff Welfare	524	470
Contribution to Provident Fund	361	334
Gratuity	295	321
Pension	421	295
	8,767	7,951

Note Gratuity paid during the year to retired employees—Rs 153 thousands

Schedule 13

COMMUNICATION EXPENSES

	31st March, 1991 (Rs 000)	31st March, 1990 (Rs 000)
Postage and Telegrams	939	812
Telephone, Telex and Intercom	305	310
	1,244	1,122

Schedule 14

OTHER EXPENSES

	31st March, 1991 (Rs. 000)	31st March, 1990 (Rs. 000)
Advertisement and Publicity	87	81
Bank Charges	25	23
Electricity and Water	209	185
Insurance	14	15
Rent, Rates and Taxes	138	125
Repairs and Maintenance	174	154
Legal	33	83
Motor Car Expenses	60	33
Office Expenses	107	107
Computerisation	159	149
Payment to Auditors		
—Statutory Audit	10	10
—Internal Audit	—	18
Professional Training and Development	29	63
Meetings	63	43
Packing and Freight	160	118
	1,268	1,206

Schedule 15

ACCOUNTING POLICIES

1. Entrance fee from fellow and associate members is capitalised when received.
2. Direct donations and contributions by Regional Councils/Chapters towards the cost of land and buildings are credited to Building Reserve. Funds actually utilised towards purchase of land/construction of buildings are transferred to General Reserve.
3. Interest earned on investment of building funds as a part of overall investment of funds calculated on the basis of average funds available during the year and credited to Building Reserve.
4. Fees received from students is accounted for on receipt basis except registration fee which is taken to income equally over a five year period.
5. Inventories of paper, publications and study materials are valued at cost.
6. Investments are valued at cost.
7. Depreciation on fixed assets is charged on written down value basis at the rates approved by the Council. Depreciation on additions is charged for the full year.
8. Provision for Gratuity and Pension is made on the basis of actuarial valuation. Accumulated funds are invested in Bonds of Public Sector Undertakings along with surplus funds of the Institute without separate identification.

